■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-32)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 11 सितंबर, 2023

▶ महापौर ने दो सड़कों का किया नामकरण

▶ बेबस पिता की गोद में मासूम की तड़पकर मौत

▶ महेंद्र सिंह धोनी मानहानि केस में जी मीडिया की मुश्किलें बढ़ी

न्यूज संक्षिप्त

बंगाल सरकार ने जारी की नई शिक्षा नीति की गाइड लाइन

कोलकाता। आखिरकार पश्चिम बंगाल सरकार ने भी नई शिक्षा नीति की विज्ञप्ति जारी कर दी है। शनिवार को जारी इस विज्ञप्ति में राज्य की शिक्षा व्यवस्था में कई बदलाव के बारे में जानकारी दी गई है 178 पन्ने की इस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 2035 के पहले राज्य शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन होगा। नई शिक्षा नीति में केंद्रीय शिक्षा नीति के कुछ अंश को शामिल किया गया है जबकि कई फैसले राज्य सरकार ने खुद किया है। इसमें एक साल प्री प्राइमरी क्लास और चार साल प्राथमिक क्लास करने की बात की गई है।इसके बाद पांचवी से आठवीं तक माध्यमिक शिक्षा होगी और नौवीं दसवीं श्रेणी में मैट्रिक की परीक्षा होगी। आठवीं क्लास से ही सेमेस्टर की शुरुआत हो जाएगी।

धराशायी हो गई जर्जर भवन की दीवार

मथुरा। तीर्थनगरी मथुरा के वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर के समीप रविवार की तड़के एक बार फिर एक जर्जर भवन की दीवार धराशाई हो गई। यह भवन श्रावण कुमार खेमका का बताया जा रहा है। गनीमत यह रही कि जिस समय दीवार गिरी उस समय बांके बिहारी मंदिर के पट बंद थे, इससे आसपास भीड़भाड़ नहीं थी। इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

गली नंबर एक जुगलघाट से होकर बांके बिहारी मंदिर से दर्शन कर श्रद्धालु इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। जहां दीवार भरभरा कर गिर गई। स्थानीय लोग दीवार गिराने कारण लगातार हो रही बारिश को बता रहे हैं। जिस भवन की दीवार गिरी है वह भवन लंबे समय से खाली है। पूर्व में इसी भवन में गौशाला थी।

प्रदेश में अब तक एक लाख 14 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि रोजगार मेलों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करना सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस वर्ष भी 200 रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार देने व चाहने वालों के लिए साझा मंच उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत दिल्ली से ऑडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेलों में रोजगार पाने वाले युवाओं से सीधा संवाद कर रहे थे।

उन्होंने युवाओं के उज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि जनवरी 2019 से अब तक राज्य में 1450 रोजगार मेले आयोजित कर 31217 युवाओं को रोजगार सहायता प्रदान की गई हैं।

पीएम मोदी और इमैनुएल मैक्रॉन के बीच द्विपक्षीय बैठक, रक्षा औद्योगिक रोडमैप को जल्द देंगे अंतिम रूप

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ दोपहर के भोजन पर द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने तब से द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति पर चर्चा, मूल्यांकन और समीक्षा की।

उनकी आखिरी मुलाकात जुलाई, 2023 में पेरिस में हुई थी। उन्होंने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रोन ने मिशन चंद्रयान 3 की भारत की सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस अंतरिक्ष सहयोग के छह दशकों को याद किया और जून 2023 में पहली रणनीतिक अंतरिक्ष वार्ता के आयोजन के बाद से प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारत-फ्रांस की मजबूत स्थिति को स्वीकार किया।

दोनों नेताओं ने असैन्य परमाणु संबंध, जैतापुर परमाणु संयंत्र परियोजना के लिए चर्चा में अच्छी प्रगति और एसएमआर और एएमआर प्रौद्योगिकियों के सह-विकास के लिए साझेदारी स्थापित करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की निरंतर भागीदारी के साथ-साथ एक समर्पित घोषणा पत्र पर आगामी हस्ताक्षर का स्वागत किया। फ्रांस ने परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की सदस्यता के लिए अपना दृढ़ और अटूट समर्थन दोहराया। दोनों नेताओं ने उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्मों के डिजाइन, विकास, परीक्षण और निर्माण में साझेदारी के माध्यम से रक्षा सहयोग को मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक और उससे आगे के तीसरे देशों सहित भारत में उत्पादन का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस संदर्भ में, उन्होंने रक्षा औद्योगिक रोडमैप को शीघ्र अंतिम रूप देने का भी आह्वान किया।

जी20 शिखर सम्मेलन शामिल होने आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारती की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन ने एकता का संदेश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन यूक्रेन में न्यायसंगत और स्थायी शांति के लिए प्रतिबद्ध है। मैक्रॉन ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान एकता और शांति का संदेश देने की पूरी कोशिश की, जबकि रूस अभी भी यूक्रेन पर अपनी आक्रामकता जारी रखे हुए है।

जनरथ बस की छत से टपकने लगा बारिश का पानी

लखनऊ। यूपी में रोडवेज बसों की दशा सुधरने का नाम नहीं ले रही है। बदहाली का आलम यह है कि साधारण बसों के साथ-साथ लग्जरी बसों की छतें टपक रही हैं।वीडियो वायरल हो रहे हैं और अफसर किरकिरी करवा रहे हैं। ताजा मामला चारबाग डिपो की कैसरबाग से देहरादून जा रही एसी जनरथ बस का है। जिसकी छत बारिश में टपकने लगी और बारिश के पानी से बचने के लिए महिला यात्री ने छाता खोल दिया। एसी जनरथ बस संख्या यूपी 32 एमएन 9336 टू बाई टू सीटिंग क्षमता की है। बीती रात कैसरबाग से देहरादून जा रही बस में हरिद्वार पहुंचने पर भारी बारिश शुरू हो गई। इस दौरान ज्यादातर पैसेंजर सो रहे थे। छत टपकने से बारिश का पानी बस के केबिन से लेकर यात्रियों के सीटों पर आने लगा। पानी गिरने से पैसेंजर जाग गए। उधर सीटें भी भीगने लगी। देखते ही देखते पूरी बस के अंदर फर्श पर पानी भर गया। इस बीच एक महिला यात्री ने अपना छाता निकालकर तान दिया, ताकि बारिश के पानी से बचाव किया जा सके।

तेलंगाना में खोई हुई सियासी जमीन तलाशेंगे सियासी दल, कांग्रेस, बीजेपी और बीएसपी ने बनाई रणनीति

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और सांसद ए रेवंत रेड्डी अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कोडंगल से चुनाव मैदान में उतरने का विचार बनाए हुए हैं। साल 2009 और 2014 में उन्होंने कोडंगल विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। लेकिन साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में वह बीआरएस उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे। ऐसे में रेड्डी नारायणपेट और एलबी नगर से चुनाव में जीत मिलने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी पार्टी चुनाव में जीत हासिल करेगी। ए रेवंत रेड्डी एलबी नगर पर भी कड़ी नजर बनाए हुए हैं। यह सीट उनके मलकजगिरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। वहीं रेड्डी का मानना है कि एलबी नगर से वह आसानी से चुनाव जीत जाएंगे। उनका मानना है कि एलबी नगर पूरे राज्य पर ध्यान केंद्रित करने में उनकी सहायता करेगा। इस बार के चुनावों में रेड्डी का एकमात्र लक्ष्य बीआरएस पार्टी को मात देना है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद रेड्डी की नजर नारायणपेट पर भी है। साथ ही यह पड़ोसी राज्य रायचूर के काफी करीब है। रेड्डी का मानना है कि कर्नाटक का चुनाव परिणाम राज्य से जुड़े होने के कारण नारायणपेट पर भी पड़ेगा। इस विधानसभा क्षेत्र के नेताओं से भी रेड्डी लगातार संपर्क में हैं। नारायणपेट कभी महबूबनगर जिले का हिस्सा हुआ करता था। जहां पहले रेड्डी रहते थे।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय कुमार करीमनगर से विधानसभा चुनाव में दो बार असफल हुए। हालांकि अब वह वेमुलावाड़ा और हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्रों पर अपना फोकस कर रहे हैं। ये तीन विधानसभा क्षेत्र सांसद बंदी संजय कुमार के करीमनगर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में उनका लक्ष्य पार्टी को जीत की तरफ ले जाना है। पार्टी की जीत के लिए संजय कुमार एक सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र चाहते हैं। जिससे कि वह पार्टी की संभावनाओं को बढ़ावा देने के साथ अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित कर सकें। इस दोनों पार्टियों के अलावा बीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार अभी तक किसी भी फैसले पर नहीं पहुंच पाए हैं।

राहुल गांधी ने फ्रांस से इंडिया बनाम भारत विवाद पर बीजेपी पर साधा निशाना, भारत में अल्पसंख्यकों का दमन शर्मनाक

नयी दिल्ली। फ्रांस में साइंसेज पीओ यूनिवर्सिटी में बोलते हुए कहा राहुल ने कहा कि जो लोग देश का नाम बदलने की कोशिश कर रहे हैं वे मूल रूप से इतिहास को नकारने की कोशिश कर रहे हैं। हमें लोगों के उदाहरण बनाने होंगे, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन लोगों ने जो किया है, उन्हें अच्छी खासी कीमत चुकानी पड़े।

इंडिया बनाम भारत बहस के बीच केंद्र सरकार पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत की आत्मा पर हमला करने वाले लोगों को अच्छी कीमत चुकानी पड़ेगी।

फ्रांस में साइंसेज पीओ यूनिवर्सिटी में बोलते हुए कहा राहुल ने कहा कि जो लोग देश का नाम बदलने की कोशिश कर रहे हैं वे मूल रूप से इतिहास को नकारने की कोशिश कर रहे हैं। हमें लोगों के उदाहरण बनाने होंगे, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन लोगों ने जो किया है, उन्हें अच्छी खासी कीमत चुकानी पड़े। ताकि भारत की आत्मा पर हमला करने की कोशिश करने वाला कोई भी यह समझ सके कि उन्हें अपने कार्यों की कीमत भी चुकानी होगी।

उन्होंने कहा कि हालांकि देश को इंडिया या भारत कहना ठीक है, लेकिन बदलाव के पीछे की मंशा अधिक मायने रखती है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के नाम ने केंद्र सरकार को देश के नाम के रूप में भारत पर जोर देने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान दोनों नामों (इंडिया और भारत) का उपयोग करता है। दोनों शब्द बिल्कुल ठीक हैं. लेकिन हमने शायद अपने गठबंधन के नाम से (केंद्रीय) सरकार को चिढ़ा दिया है। हमारे गठबंधन का नाम इंडिया है और इसीलिए उन्होंने देश का नाम बदलने का फैसला किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दक्षिणपंथी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भारत में अल्पसंख्यकों का दमन करने का आरोप लगाते हुए गांधी ने कहा कि वह देश में ऐसा नहीं होने देने का प्रयास कर रहे हैं। बीजेपी और आरएसएस निचली और पिछड़ी जातियों के लोगों की अभिव्यक्ति और भागीदारी को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। मैं ऐसा भारत नहीं चाहता जहां लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाए क्योंकि वे अल्पसंख्यक हैं।

हम अति आत्मविश्वास के कारण घोसी उपचुनाव हारे:उप मुख्यमंत्री

लखनऊ। घोसी का उपचुनाव हम हारे हैं इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। हार-जीत की समीक्षा पार्टी करेगी। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में हम कमल खिलाएंगे। भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन वहां जीतेगा। उपचुनाव में हम सभी को अति आत्मविश्वास था जिसके कारण हारे हैं लेकिन हार को जीत में बदलने में समय नहीं लगता है। अखिलेश यादव जब मुख्यमंत्री थे तब सपा साफ हो गई थी। 2022 में वह सरकार बना रहे थे लेकिन नहीं बना पाए। एक सीट जीत लेने से वह जो गुब्बारे की तरह फूल रहे हैं। जनता उनकी हवा निकाल देगी। उक्त बातें एक दिवसीय भ्रमण पर बहराइच पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह उप मुख्यमंत्री बाद में हैं, पहले पार्टी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि वह हर बार कार्यकर्ताओं से यही कहने आते हैं कि जैसे सभी पार्टी कार्यकर्ता हैं, वैसे ही वह भी भाजपा के सिपाही पहले हैं।

जी-20 सम्मेलन को लेकर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जी-20 की ऐतिहासिक सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। आज भारत का मान पूरी दुनिया में बढ़ गया है। देश का सम्मान जब बढ़ता है तो सिर्फ प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं बढ़ता बल्कि पूरे देश के नागरिकों का भी मान बढ़ता है। कांग्रेस जो सालों में नहीं कर पाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मात्र नौ सालों में कर दिया। जिसके चलते आज पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है अबकी बार फिर मोदी सरकार।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा: दुनिया भर में मनेगा दीपोत्सव

अयोध्या । विश्वहिंदू परिषद के देश भर के शीर्ष पदाधिकारी दो दिन से अयोध्या में जुटे हैं। विहिप के केंद्रीय टोली की बैठक में शनिवार को रामलला की प्राणप्रतिष्ठा को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई, महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने पर मंथन हुआ। जिस दिन रामलला अपने नए मंदिर में विराजेंगे उस दिन पूरी दुनिया में दीपोत्सव मनेगा। मठ-मंदिर घर-घर में अनुष्ठान होगा। पूरा विश्व महोत्सव का साक्षी बन सके इसलिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी ।बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपूर्ण विश्व में आनंदोत्सव के रुप में मनाया जाएगा। बताया कि राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम जन-जन, हर राम भक्त का कार्यक्रम बने देश ही नहीं विदेशों में निवास करने वाले भी इस महाउत्सव में सहभागी हों इसके लिये ही संगठन की दो दिवसीय बैठक रामनगरी में आयोजित की गयी है। देश भर के मठ-मंदिरो में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि पर पूजन-पाठ, यज्ञ-हवन, आरती होगी साथ ही हर घर रामभक्त रात में पांच दीपक अवश्य जलाएंगें और करोड़ों भक्तों के बीच प्रसाद वितरण भी होगा। बताया कि पूरे देश में बड़ी स्क्रीन पर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिससे पूरी दुनिया महोत्सव की साक्षी बन सकेगी ।बैठक में संघ के पूर्व सह सर कार्यवाह भैया जी जोशी, विहिप के महामंत्री मिलिंद परांडे, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, डॉ अनिल मिश्र, कामेश्वर चौपाल, विहिप के उपाध्यक्ष जीवेश्वर, संयुक्त मंत्री कोटेश्वर समेत कई प्रांतों के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही।

बारिश के साथ आसमान से बरसने लगीं मछलियां, दृश्य देखकर लोगों में कौतूहल; देखने को लगी भीड़

मैनपुरी। मैनपुरी में बारिश के साथ आसमान से मछलियां बरसने लगीं। दृश्य देखकर लोगों में इसे देखने के लिए उत्सुकता जगी। देखते ही देखते देखने को लोगों की भीड़ लगी।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में शनिवार की रात तेज बारिश के बीच करहल के सैफई बाईपास मार्ग स्थित रावण फिलिंग स्टेशन पर मछलियों की बारिश का दावा किया गया है। फिलिंग स्टेशन के मालिक संजीव यादव उर्फ रावण ने पेट्रोल पंप परिसर में आसमान से मछलियों की बारिश का दावा किया है। आसमान से मछलियों की बारिश की पूरे दिन कस्बे में जोरों पर चर्चा रही है।

फिलिंग स्टेशन के मालिक संजीव यादव ने बताया कि करीब 200 वर्ग फुट जगह में बारिश के साथ आसमान से मछलियां गिरी हैं। उनका कहना है कि यह घटना एक दुर्लभ घटना है जो बहुत कम होती है। इसे एनिमल रैन के नाम से जाना जाता है। एनिमल रेन में पानी के छोटे जलीय जंतु मछली, मेंढक, केकड़े बारिश में पानी के साथ गिरते हैं।

संजीव यादव ने दावा किया है कि शनिवार की रात तेज बारिश के बीच अचानक आसमान से मछलियों की भी बारिश हुई है। बारिश के बंद होने के बाद मछलियां मर गई हैं। आसमान से लगभग 80 से 90 मछलियां गिरी हैं। जो डेढ़ से ढाई इंच की हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सीसीटीवी भी चेक किया है कि कहीं रात में कोई मछलियों को फेंक तो नहीं गया है। लेकिन, सीसीटीवी फुटेज में ऐसा कुछ भी नजर नहीं आया है। उन्होंने इस संबंध में एसडीएम तथा सीओ को भी सूचना दे दी है।

समुद्री तट के किनारे चक्रवात आने पर समुद्र का पानी काफी ऊपर तक चला जाता है। उसमें मछलियों के जाने की संभावना रहती है। लेकिन मैदानी इलाकों में इस तरह की घटना नहीं देखी गई है। घटना की सत्यता जांच के बाद ही पता चल सकती है। **-डॉक्टर अतुल सिंह, मुख्य कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र लखनऊ**

संपादकीय

भारत बनाम इंडिया

भारत बनाम इंडिया

देश में आयोजित हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले देश के नाम को लेकर जो अनावश्यक विवाद छिड़ा उससे कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। दरअसल, जी-20 शिखर सम्मेलन के मेहमानों को दिये जाने वाले रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेजीडेंट ऑफ भारत' वर्णित किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री को इंडोनेशिया में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में?भाग लेने के लिये 'द प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' वर्णित किया गया है। जिसको लेकर विपक्ष ने तल्ख प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश का आधिकारिक नाम इंडिया की जगह भारत करने का मन बना लिया है। वहीं दूसरी ओर जी-20 प्रतिनिधियों के लिये तैयार की गई पुस्तिका 'भारत = द मदर ऑफ डेमोक्रेसी' नामक पुस्तिका के अनुसार भी, 'भारत देश का आधिकारिक नाम है। इसका उल्लेख संविधान में है, इसके साथ ही 1946 से 1948 तक चर्चाओं में रहा है।' दरअसल, संविधान का अनुच्छेद-एक भी कहता है-'इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ होगा।' निस्संदेह 'इंडिया' और 'भारत' लंबे समय से सह-अस्तित्व में हैं। बिना किसी स्पष्ट विरोधाभास या असहमति के, एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जाते रहे हैं। एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देश के विभिन्न मूल्य वर्ग के सिक्कों पर समान रूप से दोनों नाम दिखाई देते हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट कथन सामने नहीं आया है लेकिन विपक्ष का आरोप है कि विपक्षी गठबंधन जिसके नाम का संक्षिप्त रूप 'इंडिया' बनाया गया है, की मुंबई बैठक के बाद केंद्र सरकार ने बौखलाहट में देश का नाम बदलने का मन बनाया है। ऐसे में भाजपा से उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न विपक्षी दलों के समूह की एकजुटता पर प्रतिक्रिया देकर कोई ऐसा कदम न उठाये जिससे देश में ऊहापोह की स्थिति पैदा हो।निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब देश जी-20 में शामिल दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले महत्वपूर्ण देशों के राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत कर रहा है, ऐसा कोई विवाद अच्छा संदेश कतई नहीं देगा। दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश को नाम को लेकर ऐसे विवाद शोभा नहीं देते। भारत जो वर्ष 1950 में एक गणतंत्र बना, अपने दोहरे नाम व द्विभाषी पहचान के साथ काफी हद तक सहज रहा। जो परंपरा के साथ आधुनिकता का भी साम्य रखता है। ऐसे में जबरन नया नाम थोपना एक प्रतिगामी कदम होगा। वहीं विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार देश की मुख्य चुनौतियों बेरोजगारी, महंगाई, मणिपुर हिंसा और अडाणी जैसे विवादों से लोगों का ध्यान हटाने के लिये देश के नाम के विवाद को हवा दे रही है। दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा आहूत संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है कि इस बाबत विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इस विशेष सम्मेलन का एजेंडा क्या होगा।

मानवीय नजरिये का विकास करे शिक्षा

पहला, कक्षा वैसी हो जहां पढ़ाई आलोचनात्मक शिक्षा शास्त्र की भावना के अनुसार वास्तव में स्पंदनशील, द्वितर्कपूर्ण और आत्मार्थक बने। यह तभी संभव है जब शिक्षक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएं और सीखने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाए कि वे खुद को सवाल पूछने, खोज-पड़ताल करने और दुनिया को पुनर्भाषित करने लायक बनाएं। एक अच्छा अध्यापक बतौर सहयात्री अपने छात्रों के साथ मिलकर काम करता है और उनके साथ नए सवालों और संभावनाओं के जरिये दुनिया का अन्वेषण करता है। केवल रट्टा लगाने, सर्व-ज्ञाता अध्यापक का डर, छात्रों पर लादी निष्क्रियता, तमाम किस्म की है।

इंग्लिश व्याकरण, थर्मोडायनामिक्स, मध्य-युगीन इतिहास या कंप्यूटर इंजीनियरिंग या फिर फायनेंशल मैनेजमेंटङ्क क्या इनसे परे शिक्षा में कुछ ऐसा है जिसको लेकर एक अध्यापक को चिंता होनी चाहिए? जब हमने हाल ही में शिक्षक दिवस मनाया है तो शायद यह सवाल बेमानी नहीं है। या फिर, वर्तमान कठिन और व्यावहारिक बने रहने वाले समय में, क्या हममें से अधिकांश अध्यापक समाज में तारी हो चुकी सोच से सहज हैं? बीएड या पीएचडी की डिग्री प्राप्त करो, अध्यापक पद के लिए आवेदन कीजिए और यदि खुशकिस्मत हुए तो नौकरी मिल जाएगी, फिर वही 9 से 5 की नौकरी ङ्कएक विशेष ताना-बाना, आत्माविहीन ढर्रे की रोजमर्रा। कोई हैरानी नहीं कि बतौर अध्यापक हममें से अधिकांश केवल पाठ्यक्रम पूरा करवाने, परीक्षाएं लेने, बड़े लोगों जैसे कि प्रधानाचार्य, कुलपति या राजनीतिक आकाओं की खुशामद करके खुद को सुरक्षित और स्थाई बनाने में लगे रहते हैं। जैसा कि कई लोग कहेंगे, आरामतलबी और इससे जुड़े भय के युग में, यह आसान नहीं है कि कोई शिक्षा के मायने पुन: निर्धारण करे या देखे कि क्या कोई अध्यापक कक्षा को मुक्त संवाद अथवा बंधनयुक्त माहौल में चलाता है।

तथापि, बतौर एक अध्यापक, हर किस्म के भौतिक और प्रतीकात्मक हिंसा से भरे मौजूदा कठिन और असहिष्णु वक्त में, हमें हर हाल में दिल नहीं छोड़ना है और यह भावना कायम रखनी है कि अच्छा अध्यापक वह नहीं होता जो खुद को सुरक्षित रखने, पाठ्यक्रम पूरा करवाने या परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करवाने तक सीमित रहे। इसकी बजाय, वह तो एक ऐसा उत्प्रेरक है, जो मानववादी स्वभाव के फलने-फूलने में सहायक हो। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह इतिहास पढ़ाए या गणित, कविता या भौतिकी, एक अच्छा अध्यापक वही है जो एक शिष्य के अर्थ को 'जिंदगी भर सीखने वाले छात्र' में परिवर्तित कर दे और एक न्यायप्रिय एवं मानवीय दुनिया बनाने की खोज का पथिक हो। यहां अध्यापन के तीन मूल आदर्शों के बारे में बताना प्रासंगिक है।

पहला, कक्षा वैसी हो जहां पढ़ाई आलोचनात्मक शिक्षा शास्त्र की भावना के अनुसार वास्तव में स्पंदनशील, द्वितर्कपूर्ण और आत्मार्थक बने। यह तभी संभव है जब शिक्षक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएं और सीखने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाए कि वे खुद को सवाल पूछने, खोज-पड़ताल करने और दुनिया को पुनर्भाषित करने लायक बनाएं। एक अच्छा अध्यापक बतौर सहयात्री अपने छात्रों के साथ मिलकर काम करता है और उनके साथ नए सवालों और संभावनाओं के जरिये दुनिया का अन्वेषण करता है। केवल रट्टा लगाने, सर्व-ज्ञाता अध्यापक का डर, छात्रों पर लादी निष्क्रियता, तमाम किस्म की एमसीक्यू मानक आधारित परीक्षाओं में सफल होने के दबाव से हटकर खुले माहौल में पढ़ाने-सीखने का अनुभव ही अलग है। सरल ढंग से समझाएं तो, युवा छात्र केवल इस किस्म के आलोचनात्मक शिक्षा-विज्ञान के जरिये वह बौद्धिकता और नैतिक साफगोई पा सकते हैं जो पितृसत्तात्मक व्यवस्था, जाति आधारित ऊंच-नीच, खोखले रीति-रिवाजों, अंधविश्वासी रिवायतों और भारी सामाजिक-आर्थिक असमानता पर सवाल उठाने लायक होती है। इसी प्रकार, यह आलोचनात्मक शिक्षा विज्ञान की करामाती शक्ति है जो सीखने वाले युवा को प्रोत्साहित करती है कि विज्ञान को विशुद्ध रूप से यांत्रिक या तकनीकी महारत पर आधारित तर्क में बंधने से बचाए और इसे वैज्ञानिक और मानववादी-स्वभाव में परिवर्तित करे ङ्क वह जो तार्किक और सृजनात्मक बारीकियों से देखे, व्यवहार करे और जिसका दुनिया से सरोकार हो।

दूसरा आदर्श, एक बढ़िया अध्यापक एकतरफा संवाद बनाने से बचता है, बहुलतावादी आयामों को प्रोत्साहित करता है और अपने विद्यार्थियों में सहानुभूति की ताकत को धार देने को प्रेरित करते हुए उनके अंदर धीरज से सुनने की कला रोपता है। कक्षा में परस्पर संवाद खत्म अर्थात लोकतंत्र की मौत। लोकतंत्र केवल समय-समय पर चुनाव करवाने की रिवायत नहीं है, बल्कि लोकतंत्र संवाद और विचारनीत है, यह विवादों को तार्किक बहस और अनेकवाद के प्रति संवेदनशीलता से सुलझाने की कला है। बतौर अध्यापक, यह कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिये कि जब हम सुनने की कला को विकसित करते हैं तो जाति-पाति, जातीयता, राष्ट्रीयता और धर्म रूपी सीमाओं से बने दायरे को लांघ जाते हैं। हम महासागर सरीखा बन जाते हैं, जो तमाम धाराओं को समाहित कर ले। कल्पना करें कि एक हिंदू छात्र जलालुद्दीन रूमी के काव्यात्मक ज्ञान का आनंद ले। कल्पना करें, एक ब्राह्मण छात्र बेसब्री से इंतजार करे कि कब शिक्षक ज्योतिराव फुले या बाबा साहेब अंबेडकर के बारे में पढ़ाए। या फिर कल्पना कीजिए कि एक मुस्लिम छात्र और उसका ईसाई अध्यापक महात्मा गांधी द्वारा गीता उपदेशों की मीमांसा को लेकर उत्साहित हो। हालांकि मौजूदा जहरबुझे समय में, इन संभावनाओं के बारे में सोचना भी मुश्किल है, किंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जो अध्यापक संवाद और सुनने की कला को प्रोत्साहित करने का साहस करे, वह बहुत बड़ा काम करता है। वह सत्तावादी आवेग का प्रतिरोध करता है, बहिष्करण की कमियों को उजागर करता है और छात्रों में लोकतांत्रिक सोच बनाने के बीज बोता है। यह तभी संभव है जब शिक्षक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएं और सीखने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाए कि वे खुद को सवाल पूछने, खोज-पड़ताल करने और दुनिया को पुनर्भाषित करने लायक बनाएं। एक अच्छा अध्यापक बतौर सहयात्री अपने छात्रों के साथ मिलकर काम करता है और उनके साथ नए सवालों और संभावनाओं के जरिये दुनिया का अन्वेषण करता है। केवल रट्टा लगाने, सर्व-ज्ञाता अध्यापक का डर, छात्रों पर लादी निष्क्रियता, तमाम किस्म की एमसीक्यू मानक आधारित परीक्षाओं में सफल होने के दबाव से हटकर खुले माहौल में पढ़ाने-सीखने का अनुभव ही अलग है। सरल ढंग से समझाएं तो, युवा छात्र केवल इस किस्म के आलोचनात्मक शिक्षा-विज्ञान के जरिये वह बौद्धिकता और नैतिक साफगोई पा सकते हैं तीसरा, आशावादी शिक्षा विज्ञान के बिना अर्थपूर्ण अध्यापन व सीखना क्या है? हर तरह की आपदाओं की पहचान बने हमारे मौजूदा समय ।

जी-20 सम्मेलन से पहले ईडी और एबीसीडी वाली क्लास.!

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

अर्जुन के साथ भीम नहीं है ज़्युकी उन्हें जय भीम बोलने वालों ने अपनी तरफ कर लिया है । युधिष्ठिर भारत चाहते है तो नकुल की रुचि इंडिया में है इसी बीच ईडी भी इस जंग में पांडवों के विरोध में लड़ने आ गया है । हिडिंबा ने पूरा बंगाल हिला डुला रखा है तो घटोत्कच को इस बार कौरव एलायंस का नेतृत्व दे दिया गया है , उधर दुशासन को सनातन को गाली देने के लिए मैदान में उतारा गया है । ऐसे में रायता हियां है भिया जहां देश के एक फाइव स्टार हॉस्पिटल में डॉज़्टरों की टीम ने भाषा के इस युद्ध की खबर लगते ही एक पेशेंट को तुरंत बायपास सर्जरी करवाने की सलाह दे दी पेशेंट बहुत नर्वस हो गया किंतु तुरंत तैयारी में लग गया ।

आजकल भाषा की जंग मची है तो सोचा मै भी बहती गंगा में हाथ धो लूं क्योंकि मेरी भाषा वैसे भी ओवैसी टाईप की है । भारत में जी 20 सम्मेलन और भारत बनाम इंडिया के बीच महासंघर्ष जारी है और इस लड़ाई में सबको एक पक्ष की तरफ से जरूर लड़ना ही होगा । अब यह आपकी निजी रुचि है कि आप भारत की तरफ से आंखो पर पट्टी बांध कर लड़े या इंडिया की तरफ से खड़े होकर सारथी बने रहें । उधर खरगे को जी 20 में पंगत खाने का निमंत्रण नहीं गया तो दलितों के फूफा की तरह नाराज हो गए, अब बोल रहें मै तो धृतराष्ट्र बन गया मुझे कोई पूछ ही नहीं रहा ।

दोनों पक्षों के इस महाभारत में कई भीष्म , द्रोन, कर्ण, कृष्ण और दुर्योधन समर में है । इस बार का भाषाई महाभारत जी-20 देशों की उपस्थिति में लड़ा जा रहा और हमला जुबान रूपी दिव्यास्त्रों से हो रहा । कर्ण फेंकने में माहिर है तो कृष्ण रायता फैलाने में वहीं भीष्म अपने पुत्र को सनातन के विरूद्ध लड़वा रहे और सबसे मजेदार बात तो यह की इस बार दुर्योधन धर्म के लिए लड़ रहा । अर्जुन के साथ भीम नहीं है क्युकी उन्हें जय भीम बोलने वालों ने अपनी तरफ कर लिया है । युधिष्ठिर भारत चाहते है तो नकुल की रुचि इंडिया में है इसी बीच ईडी भी इस जंग में पांडवों के विरोध में लड़ने आ गया है । हिडिंबा ने पूरा बंगाल हिला डुला रखा है तो घटोत्कच को इस बार कौरव एलायंस का नेतृत्व दे दिया गया है , उधर दुशासन को सनातन को गाली देने के लिए मैदान में उतारा गया है । ऐसे में रायता हियां है भिया जहां देश के एक फाइव स्टार हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने भाषा के इस युद्ध की खबर लगते ही एक पेशेंट को तुरंत बायपास सर्जरी करवाने की सलाह दे दी पेशेंट बहुत नर्वस हो गया किंतु तुरंत तैयारी में लग गया । ऑपरेशन के पहले वाले सारे टेस्ट हो जाने के बाद डॉक्टर की टीम ने बजट बताया 18 लाख, जो कि पेशेंट और परिवार वालों को बहुत ही ज्यादा था ।

लेकिन हमारे जौनपुर में एक कहावत है कि जान है तो जहान है फिर बनना मेहमान है ! यह सोचकर वह पेशेंट फॉर्म भरने लगा । फार्म भरते भरते व्यवसाय का कॉलम आया तो आपरेशन की टेंशन और रूपये के इंतजाम की उधेड़बुन में ना जाने क्या सोचते सोचते या पता नहीं किस जल्दबाजी में उस बनारसी पेसेंट ने गुरु उस कॉलम के आगे ईडी लिख दिया जहां व्यवसाय की बात लिखी थी । और फिरज अचानक हॉस्पिटल का वातावरण ही बदल गया । डॉक्टरों की दुसरी टीम चेकअप करने आयी , आनन फानन में रीचेकिंग हुईज्टेस्ट दोबारा करवाए गए और टीम ने घोषित किया कि ऑपरेशन की जरूरत नहीं है । मेडिसिन खाते रहिये ब्लाकेज निकल जायेगा । पेशेंट को रवाना करने से पहले तीन महीने की दवाइयाँ फ्री दी गई और चैकअप और टेस्ट फीस में भी जबरदस्त 'डिस्काउँट' दिया गया । बनारसी पेशेंट टेंशन में की ये हुआ कैसे ..? इस बात को छ: महीने हो गये , पेशेन्ट अब भला चंगा है ।कभी-कभी उस हॉस्पीटल में चैकअप के लिये चला जाता है । उस दिन के बाद उसका चैकअप भी फ्री होता है और बिना चाय पिलाये तो डॉक्टर आने ही नहीं देते । पेशेंट बहुत खुश है हॉस्पीटल के इस व्यवहार से और मोदी जी की तारीफ करते नहीं थकता , गाहे बगाहे लोगो के आगे इस अस्पताल की तारीफ करता रहता है । पर कई बार ये सोच कर बहुत हैरान होता है कि 15 साल हो गये उसे नौकरी करते पर एजुकेशन डिपार्टमेंट का एम्प्लॉई होने की वजह से इतनी इज्जत ,इतना सम्मान तो उसके परिवार वालों ने भी कभी नहीं दिया जैसे वो अस्पताल वाले उसे सर पर बैठाए रखते हैं अब जब उससे रहा नहीं गया तो एक दिन मुझसे पूछ बैठा अस्सी घाट कर चाय पीते पीते और बोला सुना हो पत्रकार भैया ! इ बतावा गुरु एजुकेशन डिपार्टमेंट से एतना फिसलिटी कब से मिले लगल हो तब हम उसको समझाते हुए बोले तुम फॉर्म में ईडी भर के आए थे मतलब एजुकेशन डिपार्टमेंट और अस्पताल वालों ने समझा प्रवर्तन निदेशालय । यह है भाषा का खेल ।

यारियां 2' का गाना सिमरूं तेरा नाम हुआ रिलीज़

टी-सीरीज़ फिल्म्स और राव और सफ्रू फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'यारियां 2' का गाना 'सिमरूं तेरा नामज्' रिलीज़ कर दिया गया है। इस गाने में दिव्या खोसला कुमार और यश दासगुप्ता के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है, यह गाना निश्चितरूप से दर्शकों को भावुक कर देगा। सचेत टंडन द्वारा खूबसूरती से गाया गया यह गाना मनन भारद्वाज द्वारा लिखा और कंपोज किया गया हैं। प्यार में वल्नरबिलिटी और ऑकवर्डनेस को हाइलाइट करता है। राधिका राव और विनय सफ्रू द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशित 'यारियां 2' में दिव्या खोसला कुमार, यश दास गुप्ता, मिजान जाफरी, अनस्वर राजन, वरीना हुसैन, प्रिया वारिर और पर्ल वी पुरी मुख्य भूमिका में हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, दिव्या खोसला कुमार और आयुष माहेश्वरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रस्तुति:काली दास पाण्डेय

वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता : कितना भी पकड़ लो फिसलता ज़रूर है

गोंदिया ।खूबसूरत सृष्टि की रचना करने वाली कुदरत ने खूबसूरत मानवीय जीवन के साथ वक्त का एक ऐसा पहिया संलग्न कर दिया है कि मानवीय जीवन चक्र के साथ वक्त का पहिया भी घूमता रहता है ! जो किसी का सगा नहीं है ! ! बस मानवीय जीवन को ही अपनी बुद्धि के बल पर परिस्थितियों के अनुसार कुशाग्र बुद्धि से वक्त का सकारात्मक उपयोग कर ऐसा कार्य करना चाहिए कि हमारा नाम सदियों, पीढ़ियों तक टिमटिमाते तारों की तरह इस सृष्टि में जगमगाता रहे । क्योंकि वक्त हमेशा एक सा नहीं रहता वक्त का पहिया कैसे करवट बदल देता है, पता ही नहीं चलेगा, क्योंकि वक्त अपनी गति से चलता रहेगा वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता कितना भी पकड़ लो फिसलता ज़रूर है, यह वक्त है साहब बदलता जरूर है ।साथियों बात अगर हम वक्त के तकाज़े की करें तो हम खुद अपने पुराने और आज के वक्त का ही विश्लेषण कर ले कि कुछ साल या दशक पूर्व हम क्या थे और अब क्या हैं, तो हमें पता चल ही जाएगा कि वक्त कभी एक सा नहीं रहता, इतना ही नहीं अगर हम अपने ही समाज या पीढ़ियों का विश्लेषण करें तो हमें अंदाज लग जाएगा कि वक्त का पहिया कैसे घूमकर बदलते रहता है इसलिए ही बड़े बुजुर्गों का कहना हैं, समय-समय की बात है आज तुम्हारा समय है कल हमारा समय भी आएगा।

साथियों बात अगर हम हमारे शहर जिले राज्य या राष्ट्र की करें तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, अपने को बड़े शहंशाह, तीरंदाज कहने मानने वाले लोगों को भी हमने लाचार, तारतार होते देखा होगा, जिनके पास बेशुमार दौलत पावर था और सबकुछ खरीद सकते थे परंतु वक्त का पहिया ऐसा फिसला कि उनका पैसा, पावर सब कुछ जमींदोज़ हो गया और पैसे पैसे को मोहताज हो गए हमने सुना ही ।नहीं अपनी आंखों से देखा भी जरूर होगा या फिर हमें यह अपने उम्र के बढ़ते चढ़ाव पर देखने को जरूर मिल जाएगा ! !

साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो यह किसी का सगा नहीं है। बड़े से बड़े उद्योगपति राजनीतिज्ञ अधिकारी, मंत्री उच्च पदस्थ व्यक्ति यहां तक कि कभी उनके पास उद्योग सत्ता, शासन-प्रशासन पावर की चाबी उनके हाथ में रहने वालों के वक्त के पहिए ने भी कैसे करवट बदल ली है कि उनका हाथ आज खाली है ! जिनकी तूती बोलती थी आज उनकी बोलती बंद है। इसलिए कहते हैं साहब यह वक्त है बदलता ज़रूर है इसलिए समय रहते कुछ ऐसा काम करो कि वक्त को भी तुम्हारे पास रुकने पर मजबूर होना हो जाना पड़े। साथियों बात अगर हम कुछ सालों से वक्त के पहिए की करवट बदलने की करें तो कैसे हम खुशहाल थे फिर कोरोना महामारी आई, वैक्सीनेशन ड्राइव चला, आज करीब-करीबनियंत्रित है सत्ता के बदलाव, कुछ चिन्हित उद्योगपतियों द्वारा बैंक घोटाला देश के बाहर और भगोड़े घोषित इत्यादि यह सब बातें हमने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सत्ता परिवर्तन लंबे समय से चले आ रहे हैं रूस यूक्रेन युद्ध सहित अनेक व्यवहार देखें जिसके आधार पर हम कह सकते हैं कि वक्त किसी का सगा नहीं करवट जरूर बदलता है ।साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो, जीवन में सबसे अनमोल चीज है वक्त जिसका चक्र निरंतर रूप से चलते रहता है। इसे कोई रोक नहीं सकता जैसे रेत को कितनी भी जोर से मुट्ठी में बांध के रखो वहफिसलती रहती है। उसी तरह वक्त भी सबको अवसर देता है अगर उस अवसर को समय रहते पहचान कर उसका लाभ ना उठाएं तो वह मौका और वक्त दोनों हाथ से निकल जाता है। इसीलिए कहते हैं मनुष्य चाहे तो सब कुछ नियंत्रण कर सकता है सिवाय वक्त के ! वह एक बार चला गया तो लाख कोशिश कर लो वह कभी वापस नहीं आ सकता ।साथियों बात अगर हम वक्त शब्द की करें तो, वक्त अर्थात समय ये सिर्फ बोलने के लिए तीन शब्द है किंतु इसमें मनुष्य का संपूर्ण जीवन समाहित है। मनुष्य के जीवन में वक्त का बड़ा ही महत्व है। हमारा पूरा जीवन समाप्त हो जाता है किंतु वक्त का ना कोई प्रारंभ है और ना कोई अंत। वह अपने गति के अनुसार चलते ही रहता है। वक्त किसी के लिए नहीं रूकता और ना ही कोई उसे रोक सकता है। यह वक्त सबके लिए समान गति से चलता है फिर चाहे वह राजा हो या रंक, वक्त के आगे किसी की नहीं चलती। साथियों बात अगर हम वक्त के महत्व की करें तो, वक्त और धन की दौड़ में हमेशा वक्त की जीत होती है। पैसा कमाना आपको अमीर बना देगा लेकिन वक्त को जीतना आपको सफल बनाएगा। वक्त फिर कभी लौट कर नहीं आता, आपको इसका उपयोग करने का केवल एक ही मौका मिलता है। यदि आप उस समय वक्त का सदुपयोग करते हैं, तो यह आपको कल लाभकारी परिणाम देगा। वक्त बहुत कीमती है और इसे अच्छे कामों में खर्च करने की ज़रूरत है। वक्त के मूल्य को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बदलता रहता है। वक्त फिर कभी किसी के जीवन में एक जैसा नहीं हो सकता। जो व्यक्ति वक्त के महत्व को जानता है और उसका सम्मान करता है, वह चतुर और बुद्धिमान माना जाता है। वह व्यक्ति अपने जीवन में सभी सफलता प्राप्त करने वाला होता है। क्योंकि यह जिंदगी, वक्त और अपना अनुभव यही सिखाता है कभी उदासी की आग है जिंदगी, कभी खुशियों का बाग है जिंदगी, हंसना और रुलाना राग है जिंदगी, कड़वे-मीठे अनुभवों का स्वाद है जिंदगी, इसलिए हमारा दिल चाहता कुछ और है और होता कुछ और है परंतु एक बात तो निश्चित है वक्त जरूर बदलता है और जिंदगी में उतार-चढ़ाव, सुख-दुख दो पहलू हैं ।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ज्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

लम्पी स्किन डिजीज एलएसडी बीमारी को मिशन मोड में रोकने हेतु हुई मण्डलीय समीक्षा बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मण्डलायुक्त अमित गुप्ता की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त सभागार में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) बीमारी को मिशन मोड में रोकने हेतु मण्डलीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में जनपद के नोडल अधिकारी, संयुक्त निदेशक पशुपालन निदेशालय उ0प्र0 अमित कुमार, मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, संयुक्त विकास आयुक्त एन0बी0 सविता, अपर आयुक्त बृज किशोर, अपर निदेशक पशुपालन आर0एन0 सिंह सहित मण्डल के समस्त जनपदों के सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने बताया कि प्रदेश के कतिपय जनपदों में गोवशों में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) के संक्रमण की सूचनायें प्राप्त हुयी है। यह एक विषाणु जनित रोग है। इसका प्रसार प्रभावित पशुओं से वेक्टर आदि के माध्यम से अन्य पशुओं में होता है, जो केवल गौवशों में ही होता हैद्य लक्षण के रूप में इसमें तेज बुखार आता है, आंख और नाक से पानी गिरता है, पूरे शरीर में कठोर एवं चपटी गाठें बन जाती है जो कभी-कभी फूट भी जाती है, गर्भित पशुओं में गर्भपात भी हो जाता है, दुधारू गायों में दूध उत्पान में गिरावट आ जाती है, पशुओं का वजन कम हो जाता है तथा शारीरिक कमजोरी आ जाती है। एलएसडी प्रसार को रोकने के लिये जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है, जागरूकता के लिये जनपदों में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराया जाये, इसके साथ ही जनपदों में स्थापित कन्ट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों की प्रभावी समीक्षा भी की जायें। वैक्सीन की उपलब्धता के अनुसार टीकाकरण सुनिश्चित कराया जाये, जनपद के सीमावर्ती क्षेत्रों व गोवशं आश्रय स्थलों में टीकाकरण प्राथमिकता से काराया जायें।आवश्यक्तानुसार सैम्पलिंग करायी जायें, सैम्पलिंग की रिपोर्ट आने के पश्चात गम्भीरता से कार्य किया जाये। यदि किसी पशु में संक्रमण की पुष्टि होती है तो उसको अलग स्थान पर आइसोलेट किया जाये।

दुकानदार ने बगीचे में लगाई फांसी

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर।साढ़ में दो दिन से परेशान रह रहे युवक ने बगीचे में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली परिजनो ने युवक के शव को पेड़ पर लटकते देखा तो पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस ने घटना की जांच कर युवक के शव को पी एम के लिए भेजा है।पुलिस घटना की जानकारी जुटा रही है।

साढ़ थाना क्षेत्र के चतुरीखेड़ा गांव निवासी भीखम सिंह का 35 वर्षीय बेटा सुशील सिंह कास्मेटिक की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था।परिजनों ने बताया कि युवक बीते दो दिनों से किसी बात को लेकर परेशान रह रहा था।उन्होंने कई बार युवक से परेशानी का कारण पूछना चाहा लेकिन युवक ने हंसकर बात को टाल दिया और बोला ऐसी कोई बात नही है। थोड़ी समस्या है, एक दो दिन में सही हो जायेगी। इसके बाद युवक मवेशियों को चारा डालने चला गया। जहां पर पास में ही बगीचे में युवक ने पेड़ पर अंगौछे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। काफी समय तक युवक जब घर नही लौटा तो परिजन उसे देखने पहुंचे जहां युवक के शव को पेड़ पर लटकता देखा तो उनके होश उड़ गए,परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।साढ़ थानाध्यक्ष सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि युवक के शव को पी एम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

275 धन्नासेठों ने की पांच सौ करोड़ की आयकर चोरी

नगर संवाददाता

कानपुर। कर चोरी करने वालों के खिलाफ आयकर विभाग ने अपनी नजर पैनी कर दी है। सीपीसी टीडीएस पोर्टल के जरिये की जा रही निगरानी में मंडल में ऐसे 275 धन्नासेठ चिह्नित हुए हैं, जिन्होंने करीब पांच सौ करोड़ रुपये की कर चोरी की है।इनमें 90 लोग शहर के हैं।इन्होंने करीब 100 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। ये लोग शिक्षण संस्थान, सराफा, ऑटोमोबाइल, रियल इस्टेट जैसे कारोबार से जुड़े हुए हैं। विभाग अब इनके खिलाफ स्पेशल चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट आर्थिक अपराध कोर्ट में वाद दाखिल करने की तैयारी में है।दरअसल, अलग-अलग कारोबार, सर्विस क्षेत्र से जुड़े लोगों को 32 प्रकार से डिडेक्टेड एंड सोर्स (टीडीएस) और टैक्स कलेक्टेड एंड सोर्स (टीसीएस) काटकर जमा करने का प्रावधान है। हालांकि बड़े पैमाने पर लोग ऐसा नहीं कर रहे हैं। पोर्टल से निगरानी में पता चला है कि संबंधित पर कितनी टीडीएस की देनदारी है।

– डिफॉल्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी

आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि जो लोग चिह्नित किए गए हैं, वे लंबे समय से टीडीएस नहीं जमा कर रहे हैं। इन सभी को विभाग पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी कर चुका है। कुछ संस्थानों में सर्वे की भी कार्रवाई की गई है। अब आयकर टीडीएस विंग ऐसे डिफॉल्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने जा रहा है।

– टीडीएस प्रमाण पत्र नहीं देते

उद्योगों-शिक्षण संस्थानों में वैतनिक और गैर वैतनिक लोग काम करते हैं। गैर वैतनिक को जो वेतन दिया जाता है, उस पर 10 फीसदी का टीडीएस काटा जाता है। आयकर रिटर्न दाखिल करने में इसका भुगतान होता है, लेकिन इन क्षेत्रों के लोगों को प्रमाण पत्र नहीं दिए जा रहे हैं। इसी तरह सराफा कारोबारी भी कर्मचारियों को अलग-अलग मदों में वेतन भुगतान कर रहे हैं और टीडीएस नहीं काट रहे हैं।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए पर्यावरण अनुकूल ग्रीन सॉल्यूशन पर हुई चर्चा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में एडवांसेस इन टेक्सटाइल कलरेशन विषय पर एसडीसी इंडिया नेशनल कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में टेक्सटाइल उद्योग के विशेषज्ञ, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और हाल ही इस क्षेत्र में हुए शोध को साझा किया। यह सम्मेलन कलरेंट, डाई निर्माताओं और शिक्षा जगत पर केंद्रित था। इस आयोजन में पैनल चर्चा और विशेषज्ञों के व्याख्यान प्रमुख आकर्षण रहे। पैनल चर्चा में महत्वपूर्ण उद्योग विषयों पर चर्चा की गई। कपड़ा और फैशन क्षेत्र के दिग्गज एएमए हर्बल के सह-संस्थापक और सीईओ यावर अली शाह ने इन चर्चाओं को महत्वपूर्ण स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने उद्योग के विकास में कपड़ा रंगों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। रंग रसायन विज्ञान और औद्योगिक प्रथाओं में उनकी व्यापक विशेषज्ञता ने कपड़ा क्षेत्र की उभरती जरूरतों में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। श्री शाह भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा घरेलू प्राकृतिक डाई उत्पादों के लिए सर्टिफिकेशन प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए एक विशेष पैनल के %प्रोजेक्ट लीडर कम कन्वीनर% के रूप में भी नामित हैं। पूरे विश्व मे यह ऐसा पहला प्रोजेक्ट है, जिसके तहत प्राकृतिक डाई उत्पादों के लिए सर्टिफिकेशन प्रोटोकॉल तैयार किया गया है सतत विकास के मुद्दे पर चर्चा के दौरान श्री शाह ने टेक्सटाइल उद्योग के पर्यावरणीय चिंताओं और नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तार से बताया इस क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल सतत विकास के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, तेजी से बदलते ट्रेंड वाले कपड़ा उद्योग को जलवायु परिवर्तन में इसकी भूमिका के लिए अक्सर आलोचना का समाना करना पड़ता है।

सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 का दूसरा चरण आज से

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के छूटे हुए बच्चों को 12 गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए जनपद में 11 सितंबर (सोमवार) से सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 का दूसरा चरण शुरू होगा। इस संबंध में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन की अध्यक्षता में मीडिया संवेदीकरण बैठक आयोजित हुई। तीन चरणों में संचालित होने वाले इस टीकाकरण अभियान में शून्य से पांच वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को नियमित टीके और गर्भवती को टीडी के टीके लगाए जा रहे हैं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दूसरे चरण की सभी तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया की दूसरे चरण में छूटे हुये पाँच वर्ष तक के कुल 25707 बच्चों व 5405 गर्भवती को टीकाकरण के लिए लक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में लक्ष्य के सापेक्ष 95.8 त्न बच्चों और 99.7 त्न गर्भवती का टीकाकरण किया गया। साथ ही बताया की दूसरे चरण के लिए जनपद में शहरी क्षेत्र व ग्रामीण में कुल 2507 टीकाकरण सत्र तैयार किए गए हैं। साथ ही बताया कि आईएमआई 5.0 का तीसरा चरण 9 से 14 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। उन्होंने

बताया की आशा कार्यकर्ता के माध्यम से घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण (हेड काउंट सर्वे) के अनुसार माइक्रोप्लान तैयार हो चुका है।अभियान में प्रमुख रूप से मीजल्स रूबेला (एमआर) टीकाकरण के साथ ही पाँच साल, सात बार छूटे न टीका एक भी बार पर जोर दिया जायेगा। उन्होंने अपील की है कि जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए टीकाकरण वरदान की तरह है इसलिए सभी परिजन जन्म से लेकर पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों और गर्भवती का टीकाकरण समय से कराएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एके कन्नौजिया ने कहा कि बच्चों का टीकाकरण करा कर उन्हें 12 जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सकता है। इसमें टीबी, हेपेटाइटिस-बी, पोलियो, काली खांसी, डिप्थीरिया, टिटनेस, हिब इंफेक्शन, निमोनिया, दस्त, खसरा व रूबेला और दिमागी बुखार आदि प्रमुख हैं। नियमित टीकाकरण न होने से बच्चे इनमें से किसी भी बीमारी का शिकार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जनपद में प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्र चलाया जा रहा है। इसके बावजूद किन्हीं कारणों से कई बच्चे व गर्भवती टीकाकरण से छूट जाती हैं। इसी को लेकर सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान संचालित किया जा रहा है। टीकाकरण बच्चों व गर्भवती को गंभीर बीमारियों के साथ ही टीके से रोकी जा सकने वाली जन्मजात बीमारियों की जटिलताओं से बचाता है। इससे बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। बैठक में यूनिसेफ डीएमसी फुजैल अहमद सिद्दीकी , यूएनडीपी के जिला समन्वयक धनञ्जय सिंह एवं अन्य अधिकारी व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी

कानपुर। श्रीकृष्णजन्माष्टमी के अवसर पर पुलिस लाइन में पुलिस आयुक्त डॉ.आर.के.स्वर्णकार ने दीप प्रज्वलित कर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया, जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, कार्यक्रम में आलोक सिंह एडीजी जोन के साथ-साथ जनपद के अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगण सपरिवार मौजूद है। इसी कड़ी में श्याम नगर स्थित 37 वीं वाहिनी पीएसी पहुंचे पुलिस आयुक्त का पीएसी कमांडेंट प्रदीप गुप्ता ने स्वागत किया, पुलिस आयुक्त ने परिसर पर्व पर हो रहे सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन झांकियों व मंदिर के दर्शन करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी।

गीता स्थापना पखवारा में श्रीमद्भगवत गीता पुस्तिका का हुआ वितरण

बीपीएस न्यूज

कानुपर। श्रीमद्भगवद्गीता जयंती आयोजन समिति,कानपुर प्रान्त द्वारा आयोजित गीता स्थापना पखवारा में रविवार को आदर्श पार्क,केशव नगर के मंदिर में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष कौशल किशोर दीक्षित एवम उनके सहयोगियों को श्रीमद्भगवद्गीता पुस्तिका वितरित की गई। इस अवसर पर जयराम दुबे,श्याम बिहारी शर्मा, पी के त्रिपाठी, वी के दीक्षित, वी के बाजपेई,चंद्र भूषण मिश्रा,आनंद किशोर दीक्षित, पी पी सिंह,संपूर्ण जी, एस एल परशुरा मपुरिया आदि उपस्थित रहे।

कई राउंड फायर झोंक कर फरार हुए हिस्ट्रीशीटर की तलाश में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

हत्या के इरादे से झोंके ताबड़तोड़ कई राउंड फायर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के रायपुरवा में हिस्ट्रीशीटर ने रंजिश के चलते गैंगस्टर को घेरकर कई राउंड फायर झोंका। गनीमत रही कि गोली बगल से निकल गई और गैंगस्टर बाल-बाल बच गया। आरोपी फायरिंग करने के बाद मौके से भाग निकला। रायपुरवा पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास की एफआईआर दर्ज की है। इसके साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दे रही है।

रायपुरवा थाना क्षेत्र में रहने वाला सोनू कनौजिया ने बताया कि गुरुवार रात को वह डिप्टी पड़ाव पर कुछ काम से गया

था। यहां वर्मा ज्वैलर्स की शॉप पर खड़ा था। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर सुनील उर्फ गिलट मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए कई राउंड फायर झोंक कर हत्या का प्रयास किया। गोली बगल से निकलने के चलते वह बाल-बाल बच गया, लेकिन छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही रायपुरवा थाने की पुलिस और एसीपी अनवरगंज सृष्टि सिंह मौके पर पहुंची। एसीपी ने बताया कि सीसीटीवी और इलाके के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच की गई। आरोप सही पाए जाने के बाद घायल को मेडिकल के लिए भेज दिया और आरोपी सुनील उर्फ गिलट के खिलाफ गुरुवार को हत्या के प्रयास की एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सुनील रायपुरवा थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई,ढाबा संचालक की मौत

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई। जिससे ढाबा संचालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं घटना की जांच पड़ताल में जुट गई।

जानकारी के अनुसार महाराजपुर क्षेत्र के महोली गांव निवासी प्रवीण सिंह उर्फ भुल्लन सिंह (40) ढाबा संचालक है। गुरुवार देर रात प्रवीण सिंह कार से महोली गांव जा रहे थे। उसी दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं हादसे में कार चालक प्रवीण बुरी तरह घायल हो गए। हादसा देख ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां युवक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान प्रवीण की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

डॉक्टर का गुप्तांग काटकर पत्नी को किया था कुरियर, मिली थी उम्रकैद

कानपुर । कानपुर देहात में दस साल पहले हुई सरकारी डॉक्टर की हत्या के मामले में दोषी महिला को बड़ी राहत मिली है। मामले में सेशन कोर्ट से दी गई आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला की हाईकोर्ट से जमानत मंजूर हो गई है। कानपुर देहात में तैनात रहे डॉ. सतीश चंद्रा की साल 2013 में रनियां क्षेत्र के राही पर्यटक आवास गृह में हत्या हो गई थी।हत्यारोपी ने डॉक्टर के निजी अंग को शरीर से अलग कर कुरियर से उनके घर भेज दिया था। मामले में पुलिस ने डॉक्टर की परिचित युवती कानपुर नगर के सीटीआई गोविंदनगर निवासी प्रीति लता को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उसने पूछताछ में बताया था कि डॉक्टर उसके साथ जबरन दुष्कर्म, बहन पर बुरी नजर जैसे आरोप लगाए थे।सुनवाई कर एडीजे प्रथम की अदालत से 23 सितंबर 2016 को प्रीति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत के आदेश पर प्रीति लता सजा काट रही है। उसकी ओर सेशन कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील हाईकोर्ट में दाखिल की गई थी। अपील विचाराधीन होने पर प्रीती की जमानत याचिका दाखिल की गई थी।

सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर व न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने उसकी जमानत याचिका मंजूर करते हुए निचली अदालत में 50-50 हजार रुपये की दो जमानत दाखिल करने के आदेश दिए हैं। वर्तमान में प्रीति लता लखनऊ जेल में सजा काट रही है।

गलत इलाज से प्रसूता की मौत,हैलट गेट पर छोड़कर भाग निकले अस्पताल के कर्मचारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुवार रात कल्याणपुर में इलाज में लापरवाही से प्रसूता की हालत बिगड़ने के बाद निजी अस्पताल के कर्मचारी एलएलआर अस्पताल (हैलट) गेट पर छोड़कर भाग निकले। गंभीर हालत में उसे भर्ती कराया गया जहां शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शिवराजपुर के बैरी निवासी अमन मजदूरी करते हैं। तीन सितंबर को अमन ने अपनी पत्नी चांदनी (21) को डिलीवरी के चलते पुराना शिवली रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां चांदनी ने बेटे को जन्म दिया था। गुरुवार देर रात अचानक चांदनी की हालत बिगड़ गई इस पर अस्पताल के कर्मचारी जांच के बहाने उसे जांच करने के बहाने एलएलआर अस्पताल के गेट पर छोड़कर भाग निकले। हालांकि इस दौरान स्वजन ने चांदनी को अस्पताल से ले जाने का विरोध भी किया।इसके बाद स्वजन पुलिस की मदद से चांदनी को ढूंढते हुए एलएलआर अस्पताल पहुंचे। जहां चांदनी आईसीयू में गंभीर हालत में भर्ती थी कुछ घंटे बाद ही उसकी मौत हो गई। स्वजन ने निजी अस्पताल संचालक और उसके कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। कल्याणपुर थाना प्रभारी धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और स्वजन की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

थाने में किशोरी के कपड़े उतरवाने की शुरू हुई जांच

नाबालिग किशोरी के पैर में लड़के के नाम का बना था टैटू सिपाही ने टैटू देखकर खींची थी फ़ोटो, परिजन अपने बयान से पलटे

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर । साढ़ थाने के भीतर छेड़छाड़ पीड़िता के कपड़े उतरवाने के मामले की गुरुवार को शुरू हुई जांच एडीसीपी साउथ अंकिता शर्मा हैलट के बाल रोग अस्पताल सिविल ड्रेस में पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज किए। एडीसीपी ने दावा किया है कि पीड़ित परिवार के आरोप निराधार और झूठे हैं। जांच में यह भी बात सामने आई है कि लड़की के पैर में टैटू बना हुआ था। उसे मिटाने की कोशिश की गई थी। कांस्टेबल ने टैटू देखने के साथ ही फोटो खींचा था। उस समय वहां आरोपी मौजूद नहीं था।

साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 16 साल की किशोरी के परिवार के लोगों ने गांव के अमन करील नामक युवक पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए 3 सितंबर को छेड़खानी, पाक्सो समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि महिला कांस्टेबल ने आरोपी के सामने उनकी बेटी के कपड़े उतरवाकर फोटो खींची थी। इसके बाद से किशोरी अवसाद में चली गई,उसे इलाज के लिए हैलट बालरोग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के पुलिस पर आरोप लगाते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कानपुर से लेकर लखनऊ तक के अफसरों ने इसका संज्ञान लेकर जांच का आदेश दिया।एडीसीपी साउथ अंकिता शर्मा शुक्रवार दोपहर को सिविल पोशाक में हैलट के बाल रोग विभाग पहुंची। उन्होंने परिवार के लोगों और पीड़िता से बात की। एडीसीपी ने कहा कि परिवार के लोग अपने बयान से मुकर रहे हैं। उन्होंने लिखित में भी यह दिया है कि उनकी ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं। मामले की जांच की जा रही है।

जांच पूरी होने के बाद इसकी रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंपी जाएगी। भले ही परिवार के लोग अपनी बात से मुकर गए हैं, लेकिन जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि पीड़िता किशोरी वआरोपी अमन दोनों ने एक-दूसरे के नाम का टैटू शरीर में बनवा रखा था। किशोरी ने अपने शरीर में बने आरोपी के नाम का टैटू मिटाने की कोशिश की थी। सिपाही ने किशोरी के पैर पर बने टैटू को देखा और फोटो खींची थी। इसके लिए कपड़े उतारने की जरूरत नहीं है। क्यों कि किशोरी के पैर में घुटने के नीचे टैटू बना था। सलवार ऊपर करके टैटू आसानी से देखा जा सकता है।पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि आरोपी और पीड़िता दोनों के बीच पहले दोस्ती थी। लड़की नाबालिग और लड़का बालिग है। लड़की के घर वालों को उसका मिलना-जुलना पसंद नहीं था। इस बात को लेकर परिवार के लोगों ने लड़के के घर वालों से शिकायत की तो पंचायत बैठी। आरोपी अमन गांव के दबंग व रसूखदार पूर्व प्रधान राम बिहारी उर्फ फैलू का भतीजा है। इसके चलते दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। इसके बाद भी आरोपी की हरकते जब बंद नहीं हुई तो उन्होंने 3 सितंबर को मामले में मुकदमा दर्ज कराया और मामला यहां तक पहुंच गया।

किसान मेला आयोजन की तैयारियों हेतु मंथन

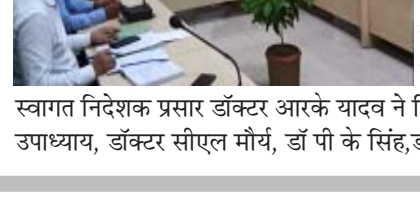

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने वि.वि.परिसर में लगने वाले तीन दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी की तैयारियों से संबंधित वर्चुअल बैठक मंथन किया।डॉ सिंह ने मेले को भव्य रूप देने के लिए बनी विभिन्न समितियों के अध्यक्षों एवं संयोजको से प्रगति जानी।कुलपति ने मेले में आने वाले किसानों को सुविधा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्टालों पर किसानों को सरल भाषा में तकनीकी की जानकारी दी जानी चाहिए। जिससे किसान जानकारी का आसानी से उपयोग कर सकें।मेले के दौरान कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिदिन कृषक संगोष्ठी एवं चौपाल का आयोजन किया जाए।इसमें कृषि वैज्ञानिक किसानों को नवीनतम जानकारी से लाभान्वित करें। वर्चुअल बैठक में कुलपति का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने किया।जबकि अंत में धन्यवाद निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने किया।इस अवसर पर डॉ पीके उपाध्याय, डॉक्टर सीएल मौर्य, डॉ पी के सिंह,डॉ महक सिंह एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक जीत पर सपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर एवं मिष्ठान वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।समाजवादी पार्टी घोसी विधानसभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के नेतृत्व में सपा कार्यालय नवीन मार्केट में जीत की बधाई देकर मिष्ठान वितरण किया गया इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में कहा कि घोसी विधानसभा उपचुनाव में सपा को मिली ऐतिहासिक जीत आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में पूरे प्रदेश से भाजपा का सफाया होगा यह उपचुनाव में मिली जीत परिवर्तन का संदेश दे रही है पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी के लहर के साथ नई ऊर्जा का संचार हुआ है आने वाले लोकसभा चुनाव में सपा इसी तरह पूरे प्रदेश में भाजपा का सुपड़ा साफ कर सपा का परहम लहराएगी महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने साथियों के साथ पार्टी कार्यालय के अलावा नवीन मार्केट परेड में जनता को मिष्ठान वितरण कर जीत की बधाई दी महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने आगे बताया कि प्रदेश की जनता भाजपा की जन विरोधी नीतियों से ऊब चुकी है जनता अब प्रदेश में परिवर्तन लाना चाहती है यह चुनाव इंडिया बनाम एन डी ए का था घोसी उपचुनाव मैं मिली ऐतिहासिक जीत ने भाजपा के घमंड को चकनाचूर कर दिया भाजपा सरकार में खुलेआम लोकतंत्र की हत्या की जा रही है आज देश का संविधान खतरे में है जनता की आवाज को दबाया जा रहा है जनता से अपनी बात कहने की आजादी छीनी जा रही है बढ़ती महंगाई से जनता त्राहि त्राहि कर रही है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद पार्टी के वरिष्ठ नेता के के शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू प्रदेश सचिव आशीष चौबे नगर प्रवक्ता जावेद जमील नगर कोषाध्यक्ष नंदलाल जायसवाल अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पप्पू मिर्जा अल्पसंख्यक उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष मुमताज मंसूरी कमलेश ओमर अर्पित त्रिवेदी संजय निषाद मुमताज मंसूरी हाजी इकलाख मिर्जा अरमान खान हेमंत गुप्ता नरेंद्र कुमार सैयद आरिफ प्रशांत सिंह सेंगर कादिर सिद्दीकी वेद प्रकाश पांडे हरि कुशवाहा हसन बदरुल राजेंद्र जैसवाल राजकिशोर यादव अकील अहमद मोहम्मद नसीम यस एहसास बॉबी राहुल यादव जमीनी कार्यकर्ता अनिल चौबे आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तीन शत्रु संपत्तियों में रह रहे हैं 31 परिवार, जिला प्रशासन ने भेजा नोटिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर में ग्वालटोली स्थित पाकिस्तानी नागरिक तजम्मुल हुसैन की 10 करोड़ की तीन शत्रु संपत्ति में रहने वाले 31 परिवारों से जिला प्रशासन जल्द किराया वसूलेगा। इसके लिए प्रशासन ने नोटिस भेजा है। शत्रु संपत्ति घोषित होने के बाद रजिस्ट्री विभाग ने तीनों संपत्तियों पर खरीदने और बेचने पर रोक लगा दी थी ।पाकिस्तान जाने के बावजूद संपत्तियों को बेचा रहा था। तजम्मुल हुसैन पाकिस्तानी नागरिक हैं। इनकी तीन संपत्तियां ग्वालटोली में है, जिनमें करीब 31 परिवार रह रहे हैं।

शत्रु संपत्ति अभिरक्षक की ओर से तीनों संपत्तियों को शत्रु घोषित करने के बाद अब जिला प्रशासन भी सक्रिय हो गया है ।तीनों संपत्तियों का तहसील की टीम ने सर्वे कर कब्जा ले लिया है। अब इन संपत्तियों को कब्जे में लेकर जिला प्रशासन इनसे किराया वसूलेगा।

फिलहाल किराया निर्धारण का काम शत्रु संपत्ति अभिरक्षक को करना है। इसके लिए पत्र जिला प्रशासन ने शत्रु संपत्ति अभिरक्षक को भेज दिया है ।जवाब आते ही तीनों संपत्तियों के कस्टोडियन बनाए गए तहसीलदार सदर के खाते में किराए का पैसा जाना शुरू हो जाएगा। फिलहाल जिलाधिकारी विशाख जी के पत्र के बाद नगर निगम ने दस्तावेज में अब तीनों संपत्तियां कस्टोडियन शत्रु संपत्ति अभिरक्षक के नाम पर दर्ज कर ली है। अब हाउस व वॉटर टैक्स कस्टोडियन के नाम पर ही बनेगा। इसकी प्रक्रिया नगर निगम स्तर से हो रही है।

पेट्रोल की जगह पानी डालने का वीडियो वायरल

जिलापूर्ति अधिकारी बोले- टीम गठित कर होगी जांच

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर शहर के टैप्फको चौराहा स्थित एक पेट्रोल पंप पर गाड़ियों में पेट्रोल की जगह पानी डालने का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। दावा है कि रात में पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की जगह पानी डाल दिया गया। जब लोगों की गाड़ियां रास्ते में बंद होना शुरू हुईं, तो सारे लोग गाड़ी खींचकर पेट्रोल पंप पहुंचे। वहां पर लोग मोटरसाइकिल की टंकी से बोतल में पेट्रोल निकला रहे तो उसमें पानी निकलता दिख रहा है। इसके बाद लोगों ने हंगामा किया। प्रशासन और पेट्रोल पंप मालिक की तरफ से मदद नहीं मिली, तो लोगों ने वीडियो वायरल कर दिया। जिलापूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने टीम गठित कर पेट्रोल की जांच कराने की बात कही।

कानपुर में रहस्यमयी बुखार का कहर:डेंगू का सीरो टाइप-2 सक्रिय

कानपुर ।कानपुर में रहस्मयी वायरस के साथ डेंगू का सीरोटाइप-2 सक्रिय है। केजीएमयू लखनऊ के माइक्रो बायोलॉजी की लैब की जांच में यह खुलासा हुआ है। यहां प्रदेश भर के जिलों सैम्पल आ रहे हैं। इस वायरस को इन्फ्लूएंजा वायरस का कोई नया स्ट्रेन माना जा रहा है। केजीएमयू लखनऊ की माइक्रो बायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अमिता जैन डेंगू सीरोटाइप-2 की पुष्टि की है ।जीएसवीएम मेडिकल के पूर्व मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार, पूर्व प्राचार्य डॉ. आरती लालचंदानी, पूर्व आईएमए अध्यक्ष डॉ. एसी अग्रवाल और डॉ. सौरभ अग्रवाल का कहना है कि बचाव रखें। वायरस की पहचान नहीं है, लेकिन लक्षणों के आधार पर इलाज से रोगी ठीक हो रहे।

जुड़ेगा इंडिया जीतेगा इंडिया के नारों के साथ कांग्रेस की पदयात्रा

प्रथम वर्षगांठ पर निकाली भारत जोड़ो यात्रा

कानपुर। कॉंग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गाँधी के द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक करी गयी भारत जोड़ो यात्रा की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर उज़र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर युवा कॉंग्रेस ने निकाली पदयात्रा ।युवा कॉंग्रेस कानपुर उज़र के अध्यक्ष जीशान अंसारी के नेतृत्व में सैकड़ो की तादाद में युवा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भारत जोड़ो यात्रा की याद ताजा करी और मूलगंज के निकट लोहामंडी से पदयात्रा शुरू कर लाटूश रोड से बकरमंडी होते हुए कोपर गंज चौराहे तक पहुँचे । युवा कांग्रेसी जोश से लबरेज़ हाथों में युवा कॉंग्रेस का झण्डा लेकर भारत जोड़ो का नारा लगाते हुए चल रहे थे ।युवा कॉंग्रेस अध्यक्ष जीशान अंसारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा हमारे नेता राहुल गांधी सच के रास्ते चलते हुए भाजपा की तानाशाह सरकार से अनवरत लड़ रहे हैं , उनकी कन्याकुमारी से काश्मीर तक की लगभग 4000 किलोमीटर की यात्रा से देशवासियों को एक आशा की किरण दिखाई दी है , हम सभी नवजवान राहुल के संघर्ष में उनके कंधे से कंधा मिला कर चलते हुए इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं ।पदयात्रा में प्रमुख रूप से अनस अहमद , बशीर खान, बिलाल ,फहीम रायनी,सलमान कुरेशी , साकिब कुरेशी,अच्छे, मुज़्तार, रजोले, शाहिद, शानू, गुड्डू,अंकित सोनकर, प्रिंस सोनकर , उदय सिंह व तमाम साथी मौजूद रहें!

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महानगर कांग्रेस कानपुर दक्षिण के तत्वाधान में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा 3700 किलोमीटर की पदयात्रा प्रारंभ होने के 1 वर्ष होने पर दक्षिण के अध्यक्ष हरि कृष्ण भारती और पूर्व महापौर प्रत्याशी पवन गुप्ता के नेतृत्व में पदयात्रा काली मठिया शास्त्री नगर से विजय मगर चौराहा तक निकाली गई जिसमें मौजूद सैकड़ों कांग्रेसियों ने जुड़ेगा इंडिया जीतेगा इंडिया हमारा पीएम कैसा हो राहुल गांधी जैसा हो के नारे लगाए ।कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व महापौर प्रत्याशी पवन गुप्ता ने कहा कि राहुल की पदयात्रा ने मोहब्बत फैलाओ और नफरत हटाओ का संदेश दिया ।आज पूरा देश राहुल गांधी के साथ है ।हरि किशन भारती, पवन गुप्ता, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नरेश त्रिपाठी, लकी सैमुअल सिंह, टिल्लू ठाकुर, प्रभात मिश्रा, राधेश्याम सिंह, दिनेश दीक्षित, मोहनलाल, जगत प्रसाद द्विवेदी, विकास सोनकर, रोशनी सिंह, अतीक, दिनेश शुक्ला, अजय श्रीवास्तव, जितेन गिरी, मधुबाला सिंह, यार मिश्रा विजय यादव महेंद्र बाजपेई अतीक अहमद इमरान शेख मनोज तिवारी, आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साहब, मुझे मेरी पत्नी से बचाइए: पीड़ित पति का दर्द!

बीपीएस न्यूज

कानपुर। साहब, मुझे मेरी पत्नी से बचाइए। बेवजह मुझे मारती है। बेटा भी शराब के नशे में गाली गलौज करता है। पत्नी की ये शिकायत लेकर सेन पश्चिम पारा पहुंचे कुरौना बहादुर नगर गांव निवासी रामविलास यादव पुलिस से की। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उसे घर भेज दिया ।रामविलास ने बताया कि उसकी पत्नी रामसखी आए दिन उसके साथ मारपीट करती है। बेटा भी गाली गलौज करता है। जिसे लेकर वह काफी डिप्रेशन में रहता है। बुधवार को भी रामसखी बेवजह गाली गलौज कर मारपीट की। बहू पूजा बचाने आई, तो बेटे शीलू के साथ मिलकर पत्नी ने उसे पीट दिया ।इसका बहू ने वीडियो बना लिया। थाना प्रभारी पवन कुमार बताया की घटना जांच कर कार्रवाई की जा रही है। बहरहाल, कभी-कभार ही ऐसे मामले सामने आ जाते हैं, जिसमें सही और गलत का फैसला कर पाना काफी मुश्किल हो जाता है। पारिवारिक मामला देखते हुए काउंसर की मदद ली जा सकती है।

बता दें कि पति-पत्नी के बीच मारपीट और गाली-गलौज का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें पत्नी द्वारा पति को पीटा जा रहा है। वहीं, बचाने आई बहू को भी पीटा। साथ ही, महिला ईंट उठाकर बहू को मारने का प्रयास करते हुए दिखाई पड़ रही है ।पीड़ित पति ने पुलिस से कहा है कि साहब, मुझे मेरी बीबी से बचाओ। इसके खिलाफ कार्रवाई करो या जेल भेज दो। जानकारी के मुताबिक, पुलिस भी इस मामले को लेकर असमंजस की स्थिति में है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामला पारिवारिक है। अभी इसकी जांच की जा रही है। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने जितिन प्रसाद मंत्री से की मुलाकात

लखनऊ झांसी मार्ग पर स्थित विजय नगर चौराहे से एनएच-2 भौंती बाईपास तक मार्ग का चौड़ीकरण की मांग की

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने जितिन प्रसाद मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश से उनके कैंप कार्यालय लखनऊ में भेंट कर मांग पत्र सौंपा ।विधायक ने मंत्री से कहा कि लखनऊ झांसी मार्ग पर स्थित विजय नगर चैराहे से एन0एच0-2 भौंती बाईपास तक मार्ग का चैड़ीकरण एवं मार्ग के मध्य में डिवाइडर एवं स्ट्रीट लाइट तथा पौधरोपण कार्य कराये जाने की अति आवश्यकता है ।विधायक ने मन्त्री से कहा कि जनहित में, बेहद आवश्यक संज्ञान देना है कि लखनऊ झांसी मार्ग अन्तर्गत, विजय नगर चैराहे से एन0एच0-2 भौंती बाईपास में वाहनों का भारी आवागमन निरन्तर होता रहता है। उक्त मार्ग की चैड़ाई कम होने एवं डिवाइडर एवं स्ट्रीट लाइट न होने के कारण प्रतिदिन जानलेवा अप्रिय घटनायें हो रही है ।उक्त मार्ग में, आयुध निर्माणी की तीन फैक्ट्रियां भी है, जिसमें हजारों की संख्या मे कर्मचारी काम करते हैं। वह कर्मचारी सुबह घर से ड्यूटी को निकलते एवं सायं को ड्यूटी से घर जाने की समयावधि में भी भारी ट्रैफिक के अनियंत्रित चलन के कारण से, आम जनता के साथ, कर्मचारियों के भी अक्सर भीषण एक्सीडेन्ट होते हैं ।चूँकि उक्त क्षेत्र में यातायात निरन्तर 24 घंटे रहता है ।जिसके दृष्टिगत, प्रतिदिन महिलायें, बच्चे, बुजुर्ग भी दुघर्टनग्रस्त हो जाते है ।उक्त घटनाओं के क्रम में पहले की भांति, अभी कुछ दिन पूर्व ही, पुनः एक नवजवान की, इसी सड़क पर सड़क दुघर्टना में मृत्यू हो चुकी है ।जो कि बहुत ही दुखदायी है।

शिया समुदाय ने निकाला चहेल्लुम का जुलूस

कानपुर। दक्षिण के नौबस्ता थाना क्षेत्र के मछरिया में शिया समुदाय ने चेहल्लुम का जुलूस निकाली। जिसमें तमाम अकीदतमंदों ने शिरकत की और इमाम हुसैन को याद कर ताजियों का दफीना किया गया। जिसमें तमाम पुलिस बल मौजूद रहा। यह जुलूस मछरिया क्षेत्र के तमाम गली मोहल्लों से घूमता हुआ कर्बला पहुंचा।

फिर यतीम बनाएगा यतीमखाना

लड़कियां बोलीं- बस हमें...रोजगारपरक कोर्स करवा दें

कानपुर। हमारी ख्वाहिश यही है कि, रोजगारपरक कोर्स हमें करवा दें। हम दो साल में यहां से चले जाएंगे। हमारी पांच बहनें हैं। अकेली मां है। आमदनी का कोई सहारा नहीं है। हमसे यहां से जाने के लिए कहा जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि, हम यतीमों को फिर से यतीम बना दिया जाएगा ।यहां से निकलकर कहीं अच्छी जिंदगी जिएंगे इसलिए बीए की जगह हम नर्सिंग करने की मांग कर रहे हैं। ये कहना है समरीन का और अन्य लड़कियों (फरीदा, चमन, मंतशा, सना परवीन, सानिया परवीन, फरहीन) का जो यतीमखाना में रह रही हैं। इधर यतीमखाना कमेटी 18 वर्ष से ऊपर उम्र की लड़कियों को रखने से अब गुरेज कर रहा है। लड़कियों का कहना है कि, हर बार जब उन्होंने यतीमखाना से संबंधित शिकायत की तो माफीनामा उनसे दिलवा दिया गया। इस बार उन्होंने माफीनामा देने से इंकार कर दिया। पुलिस के सामने अपनी बात रखी। हालांकि उन्हें इसका कोई फर्क नहीं दिख रहा है।

यतीमखाना कमेटी की ओर से जेजे एक्ट के पंजीकरण की मांग के लिए भेजे गए प्रस्ताव में कमी पाए जाने पर प्रशासन ने उन्हें वापस कर दिया है। महामंत्री अख्तर हुसैन अख्तर ने कहा कि, प्रस्ताव में कुछ कमी आई है। जिसे ठीक कर दोबारा भेजेंगे। इन दिनों जो शिकायतें की जा रही हैं। वो भी एक कारण है कि, इस मामले में देरी हो रही है। दरअसल जेजे एक्ट के तहत पंजीकरण न होने पर प्रशासन ने मई में इसका संचालन बंद करा दिया था। यहां रह रहे बच्चों को उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया था। प्रशासन ने पंजीकरण के मानकों के अनुसार प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए थे ।इंफ्रास्ट्रक्चर और कुछ पेपर में कमी पाई गई है। जिसकी वजह से रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है।

नारामऊ में मंदिर पर बज रहा डीजे, दूसरे धर्म की महिलाओं ने कराया बंद, पुलिस ने मामला कराया शांत

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर में बिठूर थाना क्षेत्र के नारामऊ में बुधवार शाम मंदिर में डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए। सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका के बीच भारी पुलिसबल मौके पर पहुंचा। लोगों को समझाकर शांत कराया। साथ ही, एहतियातन फोर्स भी तैनात रहा ।दरअसल, जन्माष्टमी पर हर साल की तरह दुर्गा मंदिर में ग्रामीण डीजे बजवा रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि रात करीब आठ बजे गैर समुदाय की करीब एक दर्जन महिलाएं और लड़कियां मंदिर पहुंचीं और डीजे बंद कर दिया। इससे नाराज लोग विरोध करने लगे ।थोड़ी देर में दोनों समुदायों के सैकड़ों लोग आमने-सामने आ गए। सूचना पर इंस्पेक्टर बिठूर अतुल कुमार सिंह और मंधना चौकी इंचार्ज अमित मलिक फोर्स के साथ मौके पहुंचे और लोगो से बात कर डीजे चालू करवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस को गांव में तैनात किया गया है ।नारामऊ मिश्रित आबादी वाला गांव है। इसके पहले भी कई बार दोनों समुदाय कई मामलों में आमने-सामने आ चुके हैं। बिठूर थाना क्षेत्र का यह गांव अतिसंवेदनशील माना जाता रहा है।

पैरोल पर बाहर आते हैं भगवान: मालखाने में 21 साल से कैद हैं भगवान, जन्माष्टमी में पुलिसकर्मी करते हैं पूजा

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। द्वापर युग के कंस से कानपुर देहात पुलिस ज्यादा ताकतवर है। मथुरा में जन्म के बाद कन्हैया को केस की कैद से तो मुक्ति मिल गई थी, लेकिन कानपुर देहात में शिवली थाने के मालखाने में पिछले दो दशक से भगवान श्रीकृष्ण, राधा व बलराम कैद हैं।

उन्हें हर साल जन्माष्टमी पर एक दिन की पेरौल पर मिलती है ।उन्हें मालखाने से बाहर निकालकर पूजा जाता है। अब गुरुवार को एक बार फिर भगवान

एक दिन लिए मालखाने से बाहर आएंगे। शिवली थाना क्षेत्र में 12 मार्च 2002 को राधाकृष्ण मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण, राधा व बलराम की मूर्तियां चोरी हो गई थीं। मंदिर के सर्वराकर आलोक दत्त ने शिवली थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी ।सप्ताह भर बाद पुलिस ने चोरों के साथ मूर्ति को बरामद किया था। उसके बाद से मूर्तियां थाने के मालखाने में रखवा दी गई थीं। सर्वराकर बताते हैं कि कानूनी पेंच के चलते मूर्तियां अदालत के माध्यम से मिल नहीं पाई। गुरुवार को जन्माष्टमी के अवसर पर मालखाने से भगवान श्री कृष्ण के साथ भगवान के बड़े भाई बलराम, देवी राधा की मूर्तियों को बाहर लाया जाएगा।

पुलिस कर्मी उन्हें स्नान करवाकर और भगवान को नए कपड़े पहनाएंगे। शिवली कोतवाल शिवनारायन सिंह ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया के चलते मंदिर में मूर्तियां कोतवाली में रखी है। गुरुवार को जन्माष्टमी पर मूर्तियों को मालखाने से निकलवाकर विधि विधान के साथ पूजन पाठ किया जाएगा।

कृष्ण जन्मोत्सव अवसर पर 6 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कानपुर के सुप्रसिद्ध प्राचीन मंदिर जे.के. टेंपल में कृष्ण जन्मोत्सव अवसर पर 6 दिवसीय संस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की श्रखंला में प्रथम दिवस आयोजित का कलाकुंज ग्रूप द्वारा सफलता से मंचन हुआ जिसमें सर्वप्रथम हर्षी प्रेम, उदित कुमार वर्मा, वंशिका वर्मा, नंदनी मिश्रा ने मुरली की मधुर धुन और भजनों द्वारा मुरलीधर कृष्ण का आवासन किया!

इसके बाद घुँघरू वंदन ग्रुप, सपना द्विवेदी, शुभांजलि चौरसिया, गीता चौपड़ा, मीनाक्षी गुप्ता, साक्षी चावला, गणेश स्तुति का मंचन किया, कृति त्रिपाठी और विराज पांडे ने कृष्ण नाट्य का सुंदर प्रदर्शन किया, कृष्ण जन्म की सुन्दर कथा का मंचन कलाकुंज ग्रुप के बहुत ही प्रतिभा शाली कलाकारों द्वारा हुआ जिसमें कंस वंशिका टिल्लूमालानी की अभिनय में दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से श्रेष्ठ अभिनय के दर्शन हुए भूमि छाबरिया मां यशोदा, धर्मेश छाबरा विष्णु अवतार, अथर्व चतुर्वेदी नारद मुनि, दित्या चौहान, अग्रिका सिंह के अत्यंत सुंदर भाव भंगिमा के दर्शकों का ह्रदय भावविभोर कर दिया विराज सुन्दर कृष्ण के रूप में भगवान के बाल रूप के दर्शन कराये.. साक्षी बाजपेई ने भी अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया संचालन कलाकुंज के फाउंडर डा.राखी बाजपेई के निर्देशन पर हुआ।

बेबस पिता की गोद में तड़प तड़पकर मासूम की मौत

गाजियाबाद के विजय नगर थाना क्षेत्र स्थित चरण सिंह कॉलोनी निवासी याकूब के बेटे साबेज को एक महीने पहले कुत्ते ने काट लिया था. घटनाक्रम से डरे बच्चे ने इस बारे में किसी को भी जानकारी नहीं दी. करीब पांच दिन पहले उसके शरीर में अजीब के बदलाव नजर आने लगे. उसके मुंह से लार टपक रही थी और वह पानी पीने से भी डर रहा था. चेहरा भी अजीब सा हो गया था. उसकी ऐसी हालत को देखते हुए परिजनों ने सख्ती से पूछा तो लड़के ने बताया कि उसे करीब महीने भर पहले कुत्ते ने काटा था. घर वाले अस्पताल की ओर भागे. तब तक उसकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ चुकी थी. डॉक्टरों ने भर्ती करने से इंकार कर दिया. पिता का कहना है कि उनके कलेजे के टुकड़े को उचित इलाज नहीं मिला इसलिए बेटे की मौत हो गई.

परिजनों का आरोप

बच्चे का इलाज करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि रेबीज के लक्षण थे. उसके अंदर बीमारी का इंफेक्शन काफी बढ़ा था. ऐसे में उसे बचाया नहीं जा सका. वहीं दूसरी ओर साबेज के परिजनों के मुताबिक, किसी भी डॉक्टर ने बच्चे का सही इलाज नहीं किया. यहां तक कि किसी भी अस्पताल ने लड़के को भर्ती तक नहीं किया. वो उसे गाजियाबाद जिला एमएम अस्पताल के अलावा मेरठ और दिल्ली के जीटीबी और एम्स अस्पताल तक लेकर गए, लेकिन कहीं भी साबेज का इलाज नहीं हुआ.

एंबुलेंस में पिता की गोद में दम तोड़ा

जानकारी के मुताबिक साबेज तड़प रहा था, उसके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था. वे किसी भी तरह साबेज की जान बचा लेना चाहते थे. कुछ समय एंबुलेंस आने के इंतजार में भी लगा, लेकिन उचित इलाज न मिलने के कारण साबेज ने एंबुलेंस के अंदर ही पिता की गोद में दम तोड़ दिया.

बच्चे की मौत का जिम्मेदार कौन?

बच्चे की मौत की ये कहानी मोहल्ले की गलियों से निकलकर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो जिसने भी इस दुखद खबर को पढ़ा उसके रोंगटे खड़े हो गए. लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बच्चा इस दुनिया में नहीं है. इस मौत का जिम्मेदार कौन है? तत्काल इस सवाल का जवाब देना आसान नहीं है, क्योंकि इस मामले में कई गलतियां हुई. एक बच्चे का उसके परिजनों की गोद में दम तोड़ देने से बुरा कुछ और नहीं हो सकता है.

मुझे तुम्हारा खिला हुआ चेहरा ही पसंद है, उदास क्यों रहती हो'

महिलाओं को अश्लील मैसेज भेजने वाला तहसीलदार निलंबित

महिला पटवारियों को अश्लील मैसेज भेजने पर राजस्थान के पाली जिले के रोहट तहसीलदार बाबू सिंह राजपुरोहित को निलंबित कर दिया गया है. बीते दिनों महिला पटवारियों ने रोपट के एसडीएम को लिखित शिकायत दी थी. एक महिला पटवारी ने लिखित और दो ने मौखिक रूप से शिकायत की थी.

बाबू सिंह राजपुरोहित दो साल में रिटायर होने वाला है. उसका हाल ही में रोहट में तहसीलदार पद पर ट्रांसफर हुआ था. महिला पटवारी ने रोहट के एसडीएम भंवरलाल जनागल को लिखित शिकायत में कहा कि राजपुरोहित ने उसके साथ बदसलूकी की. इसके अलावा वह बाकी महिला पटवारियों को अलग-अलग बुलाकर अश्लील बातें करता है. महिला पटवारी ने तो यहां तक कहा कि वह वॉट्सऐप पर भी अश्लील मैसेज भेजता है. शिकायत के साथ महिला पटवारी ने कॉल डिटेल और वॉट्सऐप मैसेज की डिटेल्स भी अटैच की है. महिला पटवारी ने अपनी शिकायत में कई बातें बताई हैं. उसने कहा कि बाबू सिंह ने कई बार महिला पटवारियों को अश्लील मैसेज भेजे और अनर्गल बातें कीं. महिला पटवारी की शिकायत के मुताबिक, तहसीलदार ने कहा कि आपको सिलेक्ट तो मैंने पहले ही दिन कर लिया था. सोचा कि आपके साथ मिलकर अच्छा काम करूंगा. आप मुझसे बात क्यों नहीं करते, डरते क्यों हो?, मुझे तो अपना दोस्त ही समझो. इतना उदास क्यों रहते हो? मुझे आपका खिला हुआ चेहरा ही पसंद है. आपको अगर छुट्टी चाहिए तो मैं दूंगा और जो चाहिए वो करूंगा और आपका काम भी करवा दूंगा.

गौरतलब है कि निलंबन के दौरान बाबू सिंह का मुख्यालय अजमेर रहेगा और तहसीलदार के खिलाफ विभागीय जांच भी जारी रहेगी. हद तो तब हो गई जब महिला पटवारी को लिखे मैसेज में तहसीलदार ने पूछा कि क्या तुम नशा करती हो, तुम्हारी आंखें बहुत नशीली हैं.

स्थरूको लिखी शिकायत में महिला पटवारी ने लिखा, तहसीलदार की इस हरकत से ऑफिस जाने में भी अब डर लगता है. इसी वजह से वह अपना काम भी ठीक तरीके से नहीं कर पा रही है. तहसीलदार उससे जोधपुर में मुलाकात के लिए दबाव डालता है. उसके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए.

कुत्ते के काटने से क्यों फैला है खतरनाक रेबीज? जानिए कैस बच सकते हैं आप

हम में से काफी लोगों को कुत्तों के करीब जाने से डर लगता है. ऐसा खौफ लाजमी है, क्योंकि अक्सर हम डॉग बाइट की खबर सुनकर सहम जाते हैं. यही वजह है कि कई बार हम अपने बच्चों को ऐसी जगह अकेले नहीं जाने देते जहां आवारा कुत्तों का आना जाना हो. हाल में दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक शख्स बेटे को एक महीने पहले कुत्ते ने काट लिया था. डर के मारे उस बच्चे ने इस हादसे की जानकारी किसी को नहीं दी. कई दिनों के बाद उसकी बॉडी में चेंजेज आने लगे और एक वक्त ऐसा आया कि बच्चे के मुंह से लार टपकने लगी और वो पानी पीने से डरने लगा. पीड़ित बच्चे के पिता न कई अस्पतालों के चक्कर काटे लेकिन किसी ने मासूम का ट्रीटमेंट नहीं किया. इलाज की कमी के कारण बच्चे न दम तोड़ दिया. इस घटना को लेकर काफी माता पित सहम गए.

कब मनाया जाता है वर्ल्ड रेबीज डे?

हर साल 28 सितंबर को वर्ल्ड रेबीज डे मनाया जाता है, ये लुईस पाश्चर की डेथ एनिवर्सरी है, ये वो साइंटिस्ट हैं जिन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रेबीज वैक्सीन तैयार किया था. विश्व रेबीज दिवस का मकसद इंसानों और जानवरों पर रेबीज के असर को लेकर जागरूकता फैलाना है.

क्यों खतरनाक है रेबीज?

रेबीज एक ऐसी बीमारी है जो हमारे सेंट्रल नर्वस को नुकसान करती है, कई बार तो ये जानलेवा साबित हो सकती है. रेबीज शब्दिक अर्थ है 'पागलपन' ये न सिर्फ कुत्तों बल्कि कई जंगली मांसाहारी जनवरों के काटने पर फैलती है. इंसान ही नहीं कई वार्म ब्लजेज एनिमल्स भी इसको लेकर सेंसेटिव होते हैं.

रेबीज वायरस कैसे फैलता है?

रेबीज वायरस कुत्तों और कई जानवरों की स्लाइवरी ग्लैंडंस में मौजूद होता है, जब कुत्ते किसी इंसान को काटते हैं तो ये वायरस खून के जरिए बॉडी में दाखिल हो जाता और फिर ब्रेन में पहुंचकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है. फिर ये उस इंसान की स्लाइवरी ग्लैंडंस फैलकर मैं मुंह में झाग पैदा करता है. ये वायरस 10 दिनों से लेकर 8 महीने के बीच कभी भी अपना रंग दिखा सकता है.

रेबीज वायरस का इंसानों पर असर

जिस इंसान को कुत्ता या रेबीज वाले जानवर काट लें उसको सिरदर्द, मतली, उल्टी, एनोरेक्सिया, मतली और मसल्स में अकड़न हो सकती है, इससे पीड़ित इंसान के गले की मांसपेशियां लकवाग्रस्त हो जाती हैं जिससे वो पानी को निगल नहीं पाता, यही वजह है कि वो हाइड्रोफोबिया का शिकार हो जाता है, इसका मतलब है पानी से डर. इतना ही नहीं, इससे रेस्पिरेटरी फेलियर और हार्ट फेलियर की वजह से इंसान की मौत हो जाती है.

रेबीज का इलाज क्या है?

रेबीज का पुख्ता इलाज नहीं है, लेकिन कुछ सावधानियों को अपनाकर इससे बचा जा सकता है. कुत्ते काटने के बाद आप घाव को तुरंत साफ कर दें ताकि ये शरीर के बाकी हिस्सों में न फैले. इसके अलावा आपको 24 घंटे के अंदर एंटी रेबीज सीरम देना होगा, ये इंजेक्शन एंटीजन के खिलाफ पहले से तैयार एंटीबॉडी देता है. अगर सीरम देने में देर हो गई तो जान बचना मुश्किल है. इसके अलावा पालतू कुत्तों को भी एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाना जरूरी है ताकि अगर ये किसी को काटे तो इसका असर इतना खतरनाक न हो.

सास ने की पुलिस से शिकायत, बहू ने कहा- यार कहना छोड़ दूंगी लेकिन गुटखा खाना नहीं

सास बहू के झगड़ों के किस्से आपने खूब सुने होंगे. यूपी के आगरा में सासू बहु के झगड़े का एक मामला खासा चर्चित हो रहा है. यहां एक सास ने पुलिस से शिकायत की है कि उसकी बहू हर किसी यार कहकर बात करती है और गुटखा खाकर जगह-जगह थूकती है. यह मामला परिवार परामर्श केंद्र पंहुचा तो पुलिस और काउंसलर ने सास-बहू की बात सुनी. सास अपने साथ गुटखे का रैपर लेकर पहुंची थी.

सास ने अपनी शिकायत में कहा है पांच महीने पहले उसके बेटे की शादी हुई थी. बहू जब से घर में आई है हर किसी से यार करके बात करती है. इसके अलावा उसके गुटखा खाने की भी आदत है. इतनी ही नहीं वह कहीं भी गुटका खाकर थूक देती है.

सास ने पुलिस की ये अपील सास का कहना है कि उसने बहू से कई बार इन दोनों आदतों को छोड़ देने को कहा लेकिन बहू पर इसका कोई असर नहीं पड़ा. सास ने पुलिस से अपील की कि वह उसकी बहू को समझाए कि वह लोगों को यार कहना और गुटखा खाना छोड़ दे.

बहू ने मान ली बात लेकिन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब पुलिस और काउंसलर ने बहू से बात की तो उसने गुटखा खाने की बात स्वीकार कर ली. बहू ने यह भी मान लिया कि अब वह किसी से यार कहकर बात नहीं करेगी. अपनी आदत में सुधार करेगी. हालांकि बहू ने गुटखा खाने छोड़ने से साफ इनकार कर दिया. लेकिन उसने कहा कि वह गुटखा खाकर यहां-वहां नहीं थूकेगी . पुलिस और कांउसर ने दोनों का पक्ष सुनने के बाद सास और बहू को अगली तारीख पर पेश होने के लिए कहा है.

क्या आप भी करते हैं डाइजीन जेल का इस्तेमाल ? हो जाएं अलर्ट

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) द्वारा एसिडिटी और उससे जुड़े लक्षणों से राहत के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लोकप्रिय फॉर्मूलेशन के खिलाफ अलर्ट जारी करने के बाद अमेरिका स्थित दवा निर्माता एबॉट ने स्वेच्छा से भारत में अपने लोकप्रिय डाइजीन जेल के कई बैचों को वापस ले लिया है। कुछ रोगियों द्वारा कड़वे स्वाद और तीखी गंध की शिकायत के बाद डाइजीन जांच के दायरे में आ गया। 31 अगस्त को लिखे एक पत्र में डीसीजीआई ने मरीजों से गोवा में कंपनी की विनिर्माण सुविधा से आने वाले डाइजीन जेल उत्पादों का उपयोग करने से बचने के लिए कहा।

इसके अलावा, दवा नियंत्रण पैनल ने थोक विक्रेताओं को उत्पाद के उन सभी बैचों को वापस लेने का निर्देश दिया है जो गोवा सुविधा में निर्मित किए गए थे और अभी भी उनके सक्रिय शेल्फ जीवन के भीतर हैं। डीसीजीआई की सलाह स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों तक भी है। जिसमें उक्त उत्पाद की खपत के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी एडीआर (प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया) की रिपोर्ट करने और उपयोग बंद करने के लिए अपने मरीजों को सावधानीपूर्वक सलाह देने और शिक्षित करने का अनुरोध किया गया है।

9 अगस्त 2023 को ग्राहक द्वारा उपयोग की गई डिजीन जेल मिंट फ्लेवर की एक बोतल नियमित स्वाद (मीठा) और हल्के गुलाबी रंग की थी, जबकि उसी बैच की एक अन्य बोतल में शिकायत के अनुसार कड़वा स्वाद और तीखी गंध के साथ सफेद रंग की थी। एबॉट के प्रवक्ता ने बताया कि भारत में एबॉट ने स्वाद और गंध पर ग्राहकों की अलग-अलग शिकायतों के कारण स्वेच्छा से हमारी गोवा फैक्ट्री में बनी डाइजीन जेल एंटासिड दवा को वापस ले लिया है। रोगी में स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं जैसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

China चाइना को दिखाई ताकत तो Russia पर भी मनवाई अपनी बात, जी 20 में भारत का शानदार प्रदर्शन

भारत में आयोजित जी 20 सम्मेलन को दशकों तक याद रखा जाएगा. अगर नई दिल्ली घोषणापत्र देखें तो सभी सदस्य देशों ने भारत के विचारों को ना सिर्फ सराहा बल्कि जगह भी दी. शायद ही ऐसा कोई नेता रहा हो जिसने पीएम मोदी के विचारों यूं कहें कि भारत के नजरिए से अलग रहा हो. देश और चेहरे भले ही अलग अलग नजर आए लेकिन भारत की जमीन पर अलग अलग विचार मिलकर एक साझा आवाज बन गए. 100 से अधिक मुद्दो पर आम सहमति बनी वो भी उस समय जब अमेरिका-चीन के बीच तनाव चरम पर है वहीं रूस- यूक्रेन एक दूसरे से उलझे हुए हैं. अगर आप जी 20 समिट पर नजर डालें तो खास बात यह थी कि घोषणापत्र समिट के पहले दिन ही सबके सामने था. आमतौर पर साझा बयान या घोषणापत्र समिट के आखिरी दिन जारी किये जाते हैं. अब सवाल यह है कि आखिर यह सब कैसे संभव हुआ. जानकार बताते हैं कि समिट से पहले वाली रात भारत ने जिस तरह से सदस्य देशों के साथ आपसी बातचीत में कूटनीति का सफल प्रयोग किया उसे आप घोषणापत्र में देख सकते हैं. सदस्य देशों में चीन, यूक्रेन-रूस के मुद्दे पर असहमति के कई बिंदु थे, खासतौर से यूक्रेन के मुद्दे पर चीन के रुख में बड़ा बदलाव आया जब वो बातचीत के लिए तैयार हुआ. उससे पहले वो रूस के रुख को ज्यादा महत्व दे रहा था. अब जब चीन का नजरिया बदला तो रूस के लिए अकेले प्रतिवाद करना संभव नहीं रहा. रूस को संकेत दिया कि एकतरफा कोई बात नहीं की जाएगी, अगर सदस्य देश लचीला रुख अपनाएंगे तो उसका रुख भी लचीला बना रहेगा.

पश्चिमी देश इस तरह मान गए चीन और रूस के बाद अमेरिकी देशों को समझाने की कोशिश की गई. इन देशों से भारत ने अपील करते हुए कहा कि यूक्रेन के साथ विवाद वाले विषय पर रूस के खिलाफ एकतरफा नजरिया रखना सही नहीं होगा. भारत की तरफ से कई मसौदों को पश्चिमी देशों के सामने रखा गया. उन मसौदों को देखने के बाद पश्चिमी देशों के नजरिए में बदलाव आया उन्होंने अपनी जिद छोड़ दी. इन सबके बीच विदेश मंत्री डॉ एस जयशकंर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की और रूस का रुख बदला, इसके अलावा पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मुलाकात के बाद अमेरिका के रुख में भी नरमी आई जिसका असर घोषणापत्र में नजर आता है जब यूक्रेन युद्ध का जिक्र तो किया गया लेकिन रूस का नाम नहीं लिया गयाइन सबके बीच सऊदी अरब की अपनी चिंता थी. फॉसिल फ्यूल के मुद्दे पर अमेरिकी और यूरोपीय देशों के रुख से सऊदी अरब को पहले से ऐतराज है. सऊदी अरब का मानना है कि अगर कोई फैसला जल्दबाजी में लिया गया तो उसका असर उसके हितों पर पड़ेगा. यहीं नहीं भारत जैसे दूसरे विकासशील देशों को भी अमेरिका और पश्चिमी देशों के नजरिए से ऐतराज रहा है. लिहाजा इस विषय पर किसी निश्चत राय का बनना जरूरी है।

अन्नामलाई ने उदयनिधि स्टालिन को दिखाया आइना, बताया क्या है असली सनातन धर्म?

कोरोना, मलेरिया की तरह सनातन धर्म को भी दुनिया से खत्म कर देने के डीएमके नेता उदयनिधि के बयान के बाद शुरू हुआ बवाल अभी तक थमा नहीं है. उदयनिधि स्टालिन के बयान के बाद बीजेपी के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने उन्हें सनातन धर्म की महानता बताते हुए करारा जवाब दिया है. अन्नामलाई ने कहा कि सनातन धर्म में जातियां हैं लेकिन उनके बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं है. सभी को बराबर सम्मान हासिल है. जबकि डीएमके नेता दलितों और आदिवासियों के साथ भेदभाव करते हैं.

अन्नामलाई ने कहा कि आदिवासी समुदाय से आने वाली द्रोपदी मुर्मू को देश ने राष्ट्रपति और प्रथम नागरिक बनाया. यही सनातन धर्म है, जो बिना जाति-धर्म देखे सभी मानव के उत्थान की बात करता है. अन्नामलाई ने सवाल किया कि अगर द्रमुक आदिवासियों के हक की बात करती है तो उसने राष्ट्रपति चुनाव में मुर्मू को वोट क्यों नहीं दिया.

श्रीविल्लिपुथुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अन्नामलाई ने डीएमके नेता उदयनिधि को जमकर आइना दिखाया. उन्होंने सवाल किया, 'द्रमुक ने राष्ट्रपति चुनाव में द्रोपदी मुर्मू जी के समर्थन में मतदान क्यों नहीं किया?' अन्नामलाई ने कहा कि सभी जातियां समान हैं.

अन्नामलाई ने डीएमके से पूछा कि उसने राष्ट्रपति चुनाव में जिस उम्मीदवार का समर्थन किया था, उसकी जाति आखिर किया थी. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'आपने मुर्मू के खिलाफ यशवंत सिन्हा को वोट दिया, वह किस समुदाय से हैं? हम देश के लोगों ने उन्हें (मुर्मू को) राष्ट्रपति बनाया और यही सनातन धर्म है.

बीजेपी नेता ने यह भी सवाल किया कि क्या डीएमके ने अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले रामनाथ कोविंद के पक्ष में मतदान किया था? उन्होंने कहा, 'हम सनातन धर्म को मानने वालों ने उन्हें वोट दिया क्योंकि हमारा मानना है कि सभी समान हैं. सनातन धर्म के बारे में हमसे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीखें.'

बता दें कि धरती से सनातन धर्म को मिटा देने के अपने विवादित

बयान को सही ठहराते हुए उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया था कि हाल में दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं किया था और यह सनातन धर्म की भेदभावपूर्ण प्रथा को दर्शाता है. स्टालिन के इस बयान के बाद अन्नामलाई ने पलटवार किया. राजनीति में आने से पहले अन्नामलाई तमिलनाडु में ही आईपीएस अफसर थे लेकिन बाद में वीआरएस लेकर वे राजनीति से जुड़ गए.

बीजेपी नेता ने हथियाई करोड़ों की जमीन, किसान ने ट्रेन से कटकर दी जान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के अहिरवां स्थित 6.29 करोड़ रुपये की जमीन (साढ़े छह बीघा) हड़पे जाने से आहत चकेरी गांव निवासी किसान बाबू सिंह यादव (52) ने शनिवार सुबह ट्रेन से कटकर जान दे दी। खुदकुशी से पहले उसने मुख्यमंत्री के नाम एक सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें अपनी मौत का जिम्मेदार श्यामनगर में रहने वाले भाजपा नेता को बताया है। आरोप लगाया किपुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को तहरीर के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।चकेरी गांव में रहने वाले किसान बाबू सिंह यादव अपनी पत्नी बिटान, दो बेटियों बीएससी फाइन ईयर की छात्रा रूबी व इंटर की छात्रा काजल के साथ रहते थे।

इसी गांव में रहने वाले उनके भतीजे धर्मेंद्र यादव ने बताया कि बाबू सिंह के नाम अहिरवां में साढ़े छह बीघे जमीन थी। कुछ दलालों की उनकी जमीन पर नजर पड़ी तो बाबू सिंह को तरह-तरह के प्रलोभन देने लगे। जमीन के 6.5 करोड़ रुपये दिलवाने का भरोसा देकर श्यामनगर में रहने वाले एक भाजपा नेता से मुलाकात करवाई गई।इसी साल 18 मार्च को रजिस्ट्री कार्यालय में ले जाकर उन्हें छह करोड़ की चेक देकर अपने नाम रजिस्ट्री करवा ली। आरोप लगाया कि कुछ देर बाद बाहर ले जाकर चेक में कुछ कमी बताकर वापस ले ली और इसके बाद से उन्हें टहलाना शुरू कर दिया। इसकी शिकायत लेकर वह पुलिस, प्रशासन के पास भी पहुंचे, लेकिन सुनवाई नहीं हुई तो जमीन का कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया। मामला विचाराधीन था इसके बाद भी आरोपी भाजपा नेता ने उस जमीन की रजिस्ट्री किसी और के नाम कर दी। करोड़ों की जमीन हाथ से निकल जाने से आहत बाबू सिंह ने शनिवार को घर से कुछ दूरी पर स्थित रेलवे पटरी पर ट्रेन के सामने लेटकर खुदकुशी कर ली। सुबह ग्रामीणों को उनका शव दो टुकड़ों में पटरी किनारे पड़ा मिला तब परिजनों को घटना की जानकारी हो सकी। थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि सुसाइड नोट मिला है। परिजनों से तहरीर मिलने पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।अपनी जमीन पर प्लाटिंग होते देख टूट गया किसानबाबू सिंह शुक्रवार को अपनी जमीन देखने अहिरवां गए थे।

मुंबई में आटो यूनियन ने महिला सुरक्षा के लिए शुरू की खास मुहीम

भारत में महिलाओं की सुरक्षा एक बेहद ही अहम मुद्दा है। महिलाएं खुद को कहीं भी सुरक्षित महसूस नहीं करती है। भारत के बड़े से बड़े शहर में भी महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करती है। छेड़खानी, रेप जैसी घटनाओं की बढ़ती वारदातों से साफ है कि महिलाएं सुरक्षित नहीं है। ऐसे में देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हमेशा ही काफी चिंता बनी रहती है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी में भी महिलाएं सुबह से लेकर रात तक काम के सिलसिले में घर से बाहर रहती है। इसी बीच मुंबई ऑटो रिक्शा मेंस यूनियन ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है।

ऑटो रिक्शा यूनियन ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शानदार शुरुआत की है। इसके चलते यूनियन ने नया सिक्योरिटी फीचर को जोड़ा है। यूनियन ने सभी ऑटो ड्राइवर्स को महिलाओं की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही यूनियन ने महिला सुरक्षा को लेकर नई मुहिम शुरू की है जिसका नाम 'टच मी नॉट' है। इस रिपोर्ट के अनुसार मुंबई में महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑटो यूनियन ने ये मुहिम 'टच मी नॉट' की शुरुआत की है। इस मुहिम के जरिए उन महिलाओं की सुरक्षा की जाएगी जो रोजाना शेयर्ड ऑटो में सफर करती है। इन महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ड्राइवरों को ट्रेन किया जाएगा और उन्हें अधिक संवेदनशील बनाया जाएगा। इस मुहिम के जरिए ड्राइवरों को बताया जा रहा है कि अगर महिला के साथ ट्रैवल कर रहा कोई पुरुष यात्री उनके साथ दुर्व्यवहार करता है तो ऐसे यात्री को ऑटो से उतरने के लिए कहें। महिला सुरक्षा को देखते हुए ये फैसला लिया गया है।

अगर कोई महिला पुरुष यात्री द्वारा किए गए दुव्यव्हार की शिकायत पुलिस से करना चाहती है तो ऑटो ड्राइवर पुलिस स्टेशन भी जा सकता है। ये जानकारी यूनियन के लीडर शशांक राव ने दी है। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को इस तरह की शिकायतों को गंभीरता से लेने के लिए कहा जा रहा है। उन्हें बताया गया है कि महिलाओं के साथ दुव्यव्हार करने वाले पुरुष यात्रियों को गाड़ी से उतारा जाए।

सुरक्षित महसूस करें महिलाएं

इस मुहिम का यूनियन जोर शोर से प्रचार भी कर रही है। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा भी लिया जा रहा है। इस कैंपेन को 'टच मी नॉट' नाम दिया गया है। इस अभियान के जरिए 80 हजार ऑटो को कवर किया जाएगा जिन्हें रोज 1.6 लाख ड्राइवर चलाते है।

मानहानि केस में मद्रास हाईकोर्ट ने जी मीडिया से 10 दिन के अंदर मांगा जवाब

महेंद्र सिंह धोनी मानहानि केस में जी मीडिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, मद्रास कोर्ट ने मामले में दस दिन के अंदर जवाब तलब करने को कहा है। जी मीडिया ने एकल न्यायधीश के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसमें धोनी द्वारा उठाए गए 17 सवालों को खारिज करने से इंकार कर दिया था। मद्रास हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मीडिया संगठन को जवाब देने के लिए कहा है। बता दें कि, साल 2014 में धोनी ने जी मीडिया, आईपीएल अधिकारी जी संपत कुमार और एक पत्रकार पर आईपीएल फिक्सिंग घोटाले में उनका नाम जोड़कर उनकी छवि को धूमिल करने के लिए 100 करोड़ रुपयों की मानहानि का मुकदमा किया था। 2022 में जी मीडिया द्वारा दायर लिखित बयान को असंतोषजनक पाए जाने के बाद एकल न्यायधीश ने पूर्व भारतीय कप्तान को पूछताछ से बाहर रखने की अनुमित दी थी। वहीं लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मद्रास हाईकोर्ट की खंड पीठ में शामिल न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की पीठ ने एकल न्यायधीस के निष्कर्ष से सहमति व्यक्त की है। उनका मानना है कि पूछताछ में आवश्यक डिटेल्स और भौतिक तथ्यों को लिखित बयान में शामिल नहीं किया गया था।

इस दौरान न्यायधीशों ने आदेश जारी करते हुए कहा कि, ऐसी स्थिति में पूछताछ का जवाब अपीलकर्ता द्वारा आवश्यक रूप से दिया जाना चाहिए। वहीं न्यायधीशों ने आगे कहा कि एकल न्यायधीश के आदेश को नियम 7 की योजना में समझा जाना चाहिए। जो एक प्रतिद्वंद्वी को पूछताछ खत्म करने के लिए एक आवेदन लेने की अनुमति देता है।

मैंने या धोनी ने नहीं, भज्जी ने छक्का मारकर जिताया था मैच, भारत-पाक मैच पर गंभीर का चौंकाने वाला खुलासा

एशिया कप 2023 में भारत बनाम पाकिस्तान के मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कई ऐसे बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने एशिया कप 2010 में भारत बनाम पाकिस्तान के मैच को लेकर कहा कि वह मुकाबला मैंने या धोनी नहीं जिताया था, बल्कि हरभजन सिंह ने जिताया था। एशिया कप 2023 के तहत भारत बनाम पाकिस्तान का महामुकाबला शनिवार को बारिश के कारण रद्द हो गया था। लेकिन, मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कई ऐसे बड़े खुलासे किए हैं, जिसे बारे में शायद ही किसी क्रिकेट फैन को पता हो। उन्होंने एशिया कप 2010 के दौरान दांबुला में खेले गए भारत बनाम पाकिस्तान के मैच को लेकर कहा कि वह मुकाबला मैंने या धोनी नहीं जिताया था, बल्कि हरभजन सिंह ने जिताया था। ये मामला अब फैंस के बीच सुर्खियों में है।गौतम गंभीर ने बताया कि भारत बनाम पाकिस्तान का एशिया कप 2010 का वह मैच मैंने या एमएस धोनी ने नहीं, बल्कि हरभजन सिंह ने जिताया था। उन्होंने कहा कि बेशक मेरे और धोनी के बीच अच्छी साझेदारी हुई थी, लेकिन मैं मानता हूं कि जो आखिरी रन बनाता है, वहीं मुकाबला जिताता है। उस मैच में परिस्थितियां अच्छी नहीं थी। पाकिस्तान में शोएब अख्तर, सईद अजमल और अब्दुल रजाक जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे।

गौतम गंभीर के इस खुलासे ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। क्रिकेट फैंस लगातार इसको लेकर अपने रिएक्शन दे रहे हैं। बता दें कि दांबुला में खेले गए एशिया कप के उस मैच में भारत ने पाकिस्तान को तीन विकेट से शिकस्त दी थी। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए निर्धारित 50 ओवर में 267 रन बनाए थे। भारत ने 49.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 271 रन बनाते हुए मैच अपने नाम किया था।हरभजन सिंह ने उस मुकाबले में 11 गेंद का सामना करते हुए नाबाद 15 रन की पारी खेली थी। वहीं, गौतम गंभीर ने बतौर सलामी बल्लेबाज 83 रन बनाए थे तो कप्तान एमएस धोनी ने 56 रन की पारी खेली थी। हरभजन सिंह ने 50वें ओवर की 5वीं गेंद पर सिक्स जड़कर भारत को जिताया था।

एशिया कप के बीच इस पाकिस्तानी पेसर ने लिया इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

भारत के खिलाफ बरपाया था कहर

एशिया कप 2023 के बीच एक पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने इंटरनेशनल और फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। ये गेंदबाज भारत के खिलाफ भी एक मैच में पांच विकेट हाल लेकर कहर बरपा चुका है।

एशिया कप 2023 के बीच एक पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने इंटरनेशनल और फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इस गेंदबाज ने खुद अपने रिटायरमेंट की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से दी है। हालांकि, अभी वह डोमेस्टिक और फ्रेंचाइजी क्रिकेट से जुड़े रहेंगे। बताया जा रहा है कि लंबे समय से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चयनकर्ता इस खतरनाक गेंदबाज को नजरअंदाज कर रहे थे। इसलिए उन्हें इतना कड़ा फैसला लेना पड़ा है। बता दें कि ये गेंदबाज भारत के खिलाफ भी एक मैच में पांच विकेट हाल लेकर कहर बरपा चुका है।दरअसल, 39 वर्षीय सोहेल खान लंबे समय से पाकिस्तानी टीम से बाहर चल रहे थे। सोहेल ने एक्स (ट्विटर) पर अपनी एक फोटो शेयर करते हुए कहा है कि करीबी लोगों के साथ सलाह-मशवरा कर मैंने अंतरराष्ट्रीय और फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। पीसीबी, परिवार, कोच, मेंटर्स, टीममेट्स और सभी फैंस के साथ उन सभी का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने मेरा समर्थ किया। मैं घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा।बता दें कि सोहेल ने 2008 में पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। सोहेल 8 साल पहले उस समय सुर्खियां में आए थे, जब भारत के खिलाफ 2015 के वर्ल्ड कप में एडिलेंड के मैदान पर भारत के खिलाफ 5 विकेट चटकाए थे। सोहेल ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी, सुरेश रैना और अजिंक्य रहाणे जैसे दिग्गजों को अपना शिकार बनाया था। हालांकि, उस को भारत ने 76 रन से जीत लिया था। सोहेल खान ने पाकिस्तान के लिए अपना आखिरी मुकाबला सितंबर 2017 में खेला था। सोहेल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए 9 टेस्ट में 27, 13 वनडे 19 और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 5 विकेट चटकाए। इसके अलावा उन्होंने 121 फर्स्ट क्लास मैचों में 516 विकेटे अपने नाम किए।

जसप्रीत बुमराह बने पिता

क्रिकेटर की पत्नी संजना ने दिया बेटे को जन्म

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के घर खुशियां आई हैं। बुमराह की पत्नी संजना गणेशन ने बेटे को जन्म दिया है। पिता बनने पर बुमराह खुशी से फुले नहीं समा रहे हैं। उन्होंने अपनी इस खुशी को फैंस के साथ शेयर किया है। बता दें कि बुमराह इन दिनों खेले जा रहे एशिया कप में भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं, लेकिन 4 सितंबर को खेले जाने वाले मैच के पहले ही वे मुंबई वापिस आ गए थे। क्रिकेटर का इस तरह अचानक लौट आने से हर कोई हैरान था। लेकिन अब बुमराह ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी है कि वे पिता बन गए हैं।

बुमराह ने अनाउंस किया बेटे का नाम-बुमराह के घर बेबी बॉय ने जन्म लिया है। इतना ही नहीं जसप्रीत ने पोस्ट शेयर कर अपने बेटे का नाम भी बता दिया है। जसप्रीत और संजना ने अपने बेटे का नाम अंगद रखा है। क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके नन्हें बेटे का हाथ दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारी छोटी सी फैमली बड़ी हो गई है और हमारे दिल इतने भर गए है, जिसके बारे में हमने कभी कल्पना भी नहीं की। आज सुबह हमने अपने बेटे अंगद जसप्रीत बुमराह का इस दुनिया में वेलकम किया। हम चांद पर हैं। हम हमारी जिंदगी के इस नए चैप्टर को जीने का इंतजार नहीं कर सकते।

घर को पुरूष व नारी मिलकर चलाएंगे तभी तो देश खुशहाल बनेगा!

सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर द्रौपदी मुर्मू एक महिला ही आसीन हैं। महिला समानता की सबसे बड़ी मिसाल आज द्रौपदी मुर्मू को माना जा सकता है। ये देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं, द्रौपदी मुर्मू का जीवन संघर्षों से भरा रहा। तीन बच्चों के निधन के बाद पति को खोने का गम सहने वाली द्रौपदी मुर्मू ने परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी, बल्कि देश सेवा में अपना जीवन लगा दिया। राष्ट्र निर्माण के लिए पहले पायदान पर कार्य करते हुए राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभा रही हैं, जो की समानता व संघर्ष का सबसे बड़ी मिशाल कायम की।

वही दूसरी तरफ आप भी अक्सर देखे ही होंगे की अगर किसी के घर जुड़वे बच्चे हुए हो जिसमे एक लड़का दूसरा लड़की का जन्म हुआ हो तो देखा गया है कई बार की लोग बेटी को चूल्हे चौके, गुड़ियां वाली खिलौने लाकर देंगे वही लड़के को बैट बॉल, बंदुक जैसी खिलौने। यही से लड़की के मन मस्तिष्क में डाल दिया जाया करते है की तुम किस लिए बनी हो, जबकि प्रत्येक बच्चे का ये अधिकार है कि उसके विकास में कोई भेदभाव ना किया जाए। लेकिन लड़के लड़की के भेदभाव की वजह से, आज भी बच्चो को अच्छे से बढ़ते हुए नही देखा जाता।

आज भी कई जगह देखने में आया है की लड़के के जन्म में मिठाईयां बांटी जाती है और लड़की के जन्मते ही उसे मार तक दिया जाता है। ये भेदभाव सदियों से चला आ रहा है। ये परम्परा आज भी कुछ परिवारों में देख रहे जबकि आज के आधुनिक युग मे स्त्री व पुरुष दोनो ही कंधे से कंधा मिलाकर प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है। दुनियां भर में नारियों की स्थिति को मजबूत करने और उन्हें समाज के हर क्षेत्र में पुरुषों के समान अधिकार व सम्मान दिलाने के उद्देश्य से हर साल 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के तौर पर मनाया जा रहा है। महिला समानता दिवस नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

इस मौके पर महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत अमेरिका में हुई लेकिन अब भारत समेत कई देश महिला समानता दिवस को मनाते हैं। हमारा देश पुरुष प्रधान देश है, जहां महिलाओं को मर्दो के बराबर दर्जा देने के लिए कुछ अधिकार मिले हैं। भारतीय महिलाओं की स्थिति दुनियां के कुछ देशों की तुलना में काफी बेहतर है। वर्तमान में भारतीय महिलाएं शिक्षा, कार्यालय और देश की सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। अंत में यही कहूंगा आपसे की पुरुष हो या नारी दुनिया किसी एक के बिना नहीं चल सकती, इसलिए आज ही आप भी संकल्प लीजिए की हम अपने जीवन में कभी भी भेदभाव नहीं करेंगे।

सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर द्रौपदी मुर्मू एक महिला ही आसीन हैं। महिला समानता की सबसे बड़ी मिसाल आज द्रौपदी मुर्मू को माना जा सकता है। ये देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं, द्रौपदी मुर्मू का जीवन संघर्षों से भरा रहा। तीन बच्चों के निधन के बाद पति को खोने का गम सहने वाली द्रौपदी मुर्मू ने परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी, बल्कि देश सेवा में अपना जीवन लगा दिया। राष्ट्र निर्माण के लिए पहले पायदान पर कार्य करते हुए राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभा रही हैं, जो की समानता व संघर्ष का सबसे बड़ी मिशाल कायम की।

आकर्षण के लिए जरूरी हैं इयररिंग्स

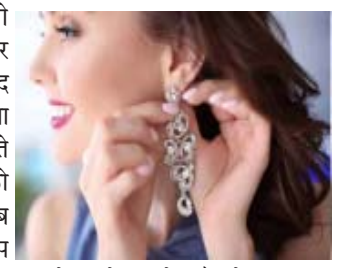

कई बार महंगे कपड़ों और शानदार मेकअप के बावजूद आप उतने सुन्दर या आकर्षक नहीं दिखते हैं जितना कि आपको दिखना चाहिए। जब इसकी खोज में आप जाते हैं तो पाते हैं कि आपने महंगे कपड़े और मेकअप का सहारा तो ले लिया लेकिन इसके साथ आपने एक्सेसरीज को नहीं लिया।जिसके साथ गलती होने की गुंजाइश काफी कम होती है। भारतीय कपड़ों के साथ तो महिलाएँ और युवतियाँ बड़े इयररिंग्स पहनना ही पसंद करती हैं क्योंकि ये इंस्टेंटली उनके लुक को ग्लैम-अप कर देते हैं। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे ही इयररिंग्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो आजकल काफी ज्यादा प्रचलन हैं। **ड्रॉप इयररिंग्स**-ड्रॉप इयररिंग्स बेहद ग्रेसफुल और एलिगेंट लगते हैं। यह भारतीय पहनावे के साथ-साथ पश्चिम पहनावे पर ही आसानी के साथ मेल खा जाते हैं। इस तरह की इयररिंग्स में एक लंबे हिस्से के नीचे कोई एक छोटा एलिमेंट लटक रहा होता है।

खट्टा मीठा होता है जेठानी-देवरानी का रिश्ता

जब हम शादी करते हैं और एक पूरे नए परिवार का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे दिल में सबसे अच्छे इरादों के अलावा कुछ नहीं होता है। हम नई संस्कृति को अपनाना चाहते हैं और सभी को अपने परिवार के सदस्य के रूप में स्वीकार करना चाहते हैं। हालाँकि, हम सभी इतने भाग्यशाली नहीं हैं कि हमें अपने ससुराल वालों से स्वीकृति और प्यार की यह भावना मिले। जिस घर आप जा रही हैं आपको इस बात की जानकारी है कि वहाँ पहले ही एक बहू है, जो घर की बड़ी बहू अर्थात् जो अब आपकी जेठानी होगी। जेठानी के नाम से देवरानियाँ सोच में पड़ जाती हैं।उन्हें लगता है कि जब घर में पहले से एक बहू है तो सास-ससुर उसी के सुर में सुर मिलायेंगे। या फिर सिर्फ उसकी बात ही मानी जाएगी। ऐसा नहीं है। आप अपने इस घर के सदस्यों के साथ पहले एक होने का प्रयास करें। धीरे-धीरे सभी को समझते हुए उनसे अपना रिश्ता मजबूत करें। फिर जेठानी-देवरानी के रिश्ते में कोई कमी नजर आए तो उसे आपसी समझ से सुलझाए। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को इस रिश्ते के और कैसे मजबूत बना सकती हैं उसके बारे में बताएंगे।

सबसे पहले बनें दोस्त

यह सही है कि शादी से पहले और बाद में भी आपकी अपनी पसन्द होती है। ऐसे में आपको अपने ससुराल में अपनी जेठानी या देवरानी से उसी तरह से रहना चाहिए जिस तरह से आप शादी से पहले अपनी किसी सहेली के साथ रहती थी। जिस तरह से आप अपनी सहेली के साथ हर बात व चीज को साझा करती थीं उसी तरह आप अब भी कर सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने व्यवहार से यह भी साबित कर सकती हैं कि यदि आपको घर में कोई दोस्त चाहिए तो वह आप हो सकती हैं। यदि आप जेठानी हैं तो आप अपनी देवरानी पर हुकूमत न चलाएँ अपितु उसके साथ प्रेम से पेश आएं। और यदि आप देवरानी हैं तो अपनी जेठानी का मान सम्मान रखते हुए घर के लिए उनके फैसलों को मानने का प्रयास करें। हां अपनी राय जरूर दें। हो सकता है कुछ फसलों में आपकी राय कारगर साबित हो। इस तरह से दोनों के बीच एक सकारात्मक रिश्ता कायम हो सकेगा।

वाद-विवाद की स्थिति न बढ़ाएँ

परिवार में सास-ससुर और देवरानी जेठानी में झगड़े होना आम है। इसका कारण यह है कि दोनों ही अलग-अलग परिवार और माहौल से आती हैं। ऐसे में हो सकता है आपकी पसन्द एक-दूसरे से मेल न खाती हो। तमाम प्रकार के विरोधाभासों के बावजूद आपको रहना एक ही जगह है, इसके लिए जरूरी है कि आप दोनों अपने छोटे-छोटे विवादों को आपसी बातचीत के जरिये सुलझाने का प्रयास करें, क्योंकि कोई भी झगड़ा ज्यादा लंबे समय तक रिश्तों में दूरियाँ पैदा कर सकता है। वाद-विवाद को इतना बड़ा न बनने दें कि घर टूटने की नौबत आ जाए। इसके लिए दोनों को तय करना चाहिए कि जब भी किसी बात का बुरा लगे, कोई बात पसंद न आये, तो साफ-साफ बात कर इस मसले को सुलझा लें।घर में अक्सर देवरानी जेठानी के बीच घर के कामों को लेकर झगड़े होते रहते हैं। ऐसे में वह आपस में काम बांट कर घर का काम करती हैं लेकिन इनसे रिश्तों में दूरियाँ आ जाती हैं। ऐसे में आप दोनों को चाहिए कि घर के कामों में एक दूसरे की मदद करें और एक-दूसरे के कामों की प्रशंसा भी करें। अगर कभी खाना बनाने या अन्य कामों में कोई गलती हो भी जाए है ।

टेसल (लटकन) नथयदि आप लेटेस्ट ट्रेंड अपनाना चाहती हैं, तो यह नथ खास आपके लिए है। इसके बेस पर लटकन होती है, साथ ही इसके टौप पर बेहतर सी डिजाइन होती है जिस पर पक्षी की कारीगरी व जड़ाई होती है। प्लेन स्ट्रिंग पर छोटे मनके इसे और भी खूबसूरत बनाते हैं और इसे ट्रेंडी बनाते हैं।

ब्रांज नथ-राजस्थान का ही एक और लुक है इस नथ का ये खास डिजाइन। इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

मल्टीपल चेन वाली नथऐसी नथ खासकर साउथ इंडियन कल्चर में ज्यादा देखी जा सकती है। लेकिन अगर आप ज्वेलरी डिजाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो तीन चेन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी।

बंगाली स्टाइल नथ-अगर आप बंगाली हैं या बंगाली लुक पाना चाहती हैं तो हल्के क्राफ्टवर्क वाले और चैन से जुड़ी हुई ।

रिंग वाली नथ-अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

हूप नथ-बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

आने वाले दिनों में जल्द ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत होने वाली हैं और अभी से इनकी तैयारियां की जाने लगी हैं। खासतौर से शादी के लिए दुल्हन कई चीजों की शॉपिंग करती हैं जिसमें से एक है नाक की नथ जो उनका आकर्षण बढ़ाने का काम करती है। ट्रेडिशनल लुक में नथ महत्वपूर्ण स्थान रखती है जो दुल्हन के परिधान को और भी आकर्षक बनाती है। आज हम अपने पाठकों को नथ से जुड़ी जानकारी देने जा रहे हैं—

रासायनिक जलने पर उपचार

102 पर कॉल करें

102 डायल करें या स्थानीय ज़हर नियंत्रण केंद्र के 1-800-222-1222 पर।

1. अपनी रक्षा करें

- यदि संभव हो तो **दस्ताने** या **एप्रन** पहनें।

- **रसायनों के संपर्क** में आने से बचें।

2. बर्न एरिया को धोएं और साफ़ करें

- कम से कम 20 मिनट या जब तक मदद नहीं आती तब तक **ठंडे पानी से** धोएं।

  सुनिश्चित करें कि पानी व्यक्ति के शरीर के दूसरे हिस्से या आप पर ना बहे।
- यदि संभव हो तो **पानी की तेज़ धारा** का उपयोग न करें।
- जब आप जले हुए हिस्से को धोते हैं (पहले नहीं), तब तक **गहने** या **कपड़ों के सामान** को हटा दें जिन पर रसायन लगे हों, जिससे कि वे व्यक्ति के शरीर से चिपक न पाएं।

- जले को साफ करने के बाद, रासायनिक उत्पाद के **लेबल** पर दिए गए **निर्देशों** का पालन करें।
- **तेजाब** या **क्षार** से जलन को बेअसर करने की कोशिश न करें। यह एक रासायनिक प्रतिक्रिया का कारण बन सकता है जो जलन को और खराब कर देता है।

- जले पर **एंटीबायोटिक मलहम** न लगाएं।

3.एक छोटे से बर्न एरिया को कवर करें

- एक छोटे से जले **को सूखे, विसंक्रमित धुंध** या **साफ कपड़े** से ढीला लपेट सकते हैं।

पुलिस आयुक्त ने मखदूम शाह उर्स पर दिये जरुरी निर्देश

सालाना उर्स पर आयोजकों संग की बैठक, -दरगाह परिसर सीसीटीवी कैमरों से लैस रहेगा: आनंद प्रकाश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस कमिश्नरेट के पूर्वी जोन के थाना जाजमऊ क्षेत्र स्थित मखदूम शाह आला के सालाना उर्स को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 12 और 13 सितम्बर को होने वाले आयोजन को लेकर पुलिस आयुक्त डॉ. आरके स्वर्णकार ने शुक्रवार को पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही आयोजकों के साथ बैठक करके उर्स की तैयारियों की समीक्षा की।12 और 13 सितंबर को होने वाले इस आयोजन में कई जनपदों से आने वाले लोग शामिल होते हैं। काफी बड़े स्तर पर होने वाले इस कार्यक्रम की रूप रेखा लेकर आए आयोजन कर्ताओं के साथ पुलिस आयुक्त डॉ0 आर. के. स्वर्णकार ने मर्चेंट चेंबर हाल में बैठक की। पुलिस

आयुक्त ने कहा कि बीते वर्षो में हुए आयोजन को चेक कर लें इस बार के आयोजन को और अधिक व्यवस्थित व भव्यता प्रदान करने के सम्बंध में आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने, आयोजन में आने वाले वाहनों के लिये पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिये कहा गया। साथ ही ट्रैफिक की व्यवस्था इस प्रकार करने के लिये कहा गया ताकि हाइवे पर जाम की स्थिति पैदा ना हो । आयोजन स्थल पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी की मौजूदगी पर भी जोर दिया गया। जो भी रास्ते आयोजन स्थल को जाते हैं उन्हें अतिक्रमण मुक्त और गड्ढा मुक्त कराने को भी कहा गया।बैठक में सँयुक्त पुलिस आयुक्त आनन्द प्रकाश तिवारी ने कहा कि पूरे दरगाह परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा और ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। इसके बाद कई अधिकारियों ने मौके पर जाकर कार्यक्रम स्थल, रूट, सुरक्षा का स्थलीय निरीक्षण किया और जहाँ भी कुछ सुधार की गुंजाइश दिखी उसके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी, डीसीपी ईस्ट शिवाजी शुक्ला, एडीसीपी ईस्ट आकाश पटेल, एडीएम सिटी व अन्य अधिकारी के साथ ही आयोजक कमेटी के सदस्य भी मौजूद रहे।

पेड़ पर लटकते पाये अज्ञात बुजुर्ग के शव की हुई शिनाख्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव स्थित नहर किनारे कोठी के पास बीती शाम पेड़ पर लटके अज्ञात बुजुर्ग के शव की पुलिस ने देर शाम शिनाख्त कर ली है।जहां पुलिस ने बुजुर्ग की शिनाख्त शिव प्रसाद ऊर्फ चीप साहब जालीमपुर निवादा मजरा दीपापुर नर्वल के रूप में की है।वही मामले की जानकारी होने के दौरान पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है,बताते चले कि बीती शाम साढ़ थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव स्थित नहर किनारे कोठी के पास पेड़ पर एक अज्ञात बुजुर्ग का शव पेड़ से लटका हुआ मिला था,जहां मृतक के शव के पास एक लकड़ी की छड़ी,झोला और चश्मे का कवर पड़ा हुआ था,वही मृतक का शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।वही पुलिस ने मृतक बुजुर्ग की शिनाख्त करना शुरू कर दी थी।वही मामले की जानकारी होने के दौरान परिजनों ने साढ़ थाना पहुंचकर मृतक की शिनाख्त की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुजुर्ग बीते दस दिन पहले घर से चित्रकूट जाने की बात कहकर निकला हुआ था,जहां चित्रकूट जाने के पहले बुजुर्ग अपनी बेटी के घर घाटमपुर गया हुआ था।

जिसके बाद से बुजुर्ग घर नहीं पहुंचा।वही मामले की जानकारी होने के दौरान परिजनों के पैरो तले जमीन खिसक गई।इस घटना के चलते पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हुई है।वही साढ़ थाना अध्यक्ष सतीश राठौर ने बताया कि परिजनों की तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

लेबर अड्डों पर जाकर सपा मजदूर सभा समस्याओं का करायेगी निराकरण नरेंद्र

कानपुर। समाजवादी मजदूर सभा प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक के निर्देशानुसार समाजवादी मजदूर सभा कानपुर ग्रामीण की मासिक बैठक पार्टी के जिला कार्यालय नवीन मार्केट में जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह अध्यक्षता में सपा मजदूर सभा कानपुर मण्डल प्रभारी शेष नाथ यादव की मौजूदगी में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर के लेबर अड्डों पर जाकर मजदूर सभा के पदाधिकारी उनकी समस्याओं का निराकरण कराने के साथ साथ उनके नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कराने का भी कार्य करेंगे तथा प्रत्येक माह की 9 तारीख को जिला कमेटी एवं 12 तारीख को सभी विधानसभा कमेटियां भी मसीक बैठक करके समाजवादी पार्टी की नीतियों रीतियों को जन जन तक पहुचाने का कार्य किया जायेगा और बैठक कार्यवाही को जिला कार्यालय को भी अवगत कराने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेश गुप्ता, इम्तियाज रसूल कुरैशी, धीरेन्द्र सिंह, राजेश कुमार, राजराम साहू, भैया लाल, सुशील कुमार तिवारी, रविशंकर गुप्ता, ज्ञानेन्द्र सिंह, अनिल वर्मा, राजू यादव, राजीव अवस्थी आदि लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओ ने फूंका मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश और पुलिस महानिदेशक का पुतला

बीपीएस न्यूज

कानपुर।राज्य विधिज्ञ परिषद उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार लायर्स एसोसिएशन के अधिवक्ताओ ने हड़ताल पर रहते हुए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश और पुलिस महानिदेशक का फूंका पुतला ।

लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष व महामंत्री के नेतृत्व में अधिवक्ता गण लायर्स प्रांगण में एकत्र हुए जहां पर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश और पुलिस महानिदेशक का पुतला बना नारे लगाते हुए लायर्स गेट के पश्चिमी द्वार पर आए जहां पर पुतला दहन से पूर्व बोलते हुए पंडित रवीन्द शर्मा अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने कहा कि आज संपूर्ण प्रदेश का अधिवक्ता आंदोलनरत है किंतु अभी तक अधिवक्ताओं की एक भी मांग नहीं मानी गई । ना तो हापुड़ के दोषियों पर रिपोर्ट की गई ना गिरफ्तारी हुई ना डी एम एस एस पी को हटाया गया ना घायलों को मुआवजा दिया गया नहीं अधिवक्ताओं के ऊपर दर्ज कराए गए झूठे मुकदमे वापस लिए गए और नहीं अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया गया।जिसकी हम घोर निंदा करते हैआज हम राज्य विधिज्ञ परिषद के निर्देश पर अभी प्रदेश के दो बड़े अधिकारियों के पुतले फूंक रहे है आगे राज्य विधिज्ञ परिषद जो निर्देश देगी उसी के अनुसार आगे आंदोलन को हम गति देंगे और यह आंदोलन विधि प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत तब तक चलेगा जब तक कि हमारी जीत सुनिश्चित नहीं हो जाएगी।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री शरद शुक्ला ने किया।प्रमुख रूप से सर्वेंद यादव पवन अवस्थी बृज नारायण निषाद रविंद्र भूषण सिंह मधुर साहू सचिन अवस्थी संजीव कपूर अनुराग यादव वंदना सोलंकी अविनाश कुशवाहा दुर्गेश शुक्ला अभिषेक तिवारी समीर शुक्ला अनिल चौधरी राकेश सिद्धार्थ राजुल सक्सेना मनीष कुरील शिवम गंगवार के के यादवआदि रहे!

विस अध्यक्ष ने विधानसभा क्षेत्र में किया अटल अमृत सरोवर का लोकार्पण

बीपीएस न्यूज

कानपुर।विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अटल अमृत सरोवर (शेरशाह सूरी तालाब) का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ऐसा सुंदर सरोवर पूरे शहर में नही है।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष महाना ने सबसे पहले सरोवर के प्रांगण में स्थित भगवान शंकर के जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किया। उसके बाद महाना के साथ महापौर प्रमिला पांडेय ने सरोवर का लोकार्पण किया। साथ ही महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में साढ़े छह करोड़ की लागत से 51 सड़को की शिलापट्टो का शिलान्यास भी किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष महाना ने कहा कि इस ऐतिहासिक अटल अमृत सरोवर (शेरशाह सूरी तालाब) का सुंदरीकरण 1.79 करोड़ की लागत से किया गया है। ऐसा सुंदर सरोवर पूरे शहर -में नही है।

उन्होंने कहा कि करीब सवा साल बाद सरोवर का सुंदरीकरण हो सका है। चुनाव की वजह से इसके विकास कार्य मे विलंब हुआ। उन्होंने जनता से अपील भी की है कि सरोवर को स्वच्छ और उसके रखरखाव की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके अलावा सनातन धर्म पर टिप्पणी के मामले में बोलते हुए महाना ने कहा कि सनातन आदिकाल से है। इसका न कोई अंत है और न ही शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जब से पृथ्वी है, तब से सनातन है। इसके अलावा महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को सरोवर की देखरेख ठीक प्रकार से करने का आदेश दिया। साथ ही रात के लिए लाइट की व्यवस्था करने के लिए भी कहा। इस मौके पर बीडी राय, लाला त्रिवेदी, अतुल शुक्ला, सुरेंद्र अवस्थी, अजय कुमार, राकेश तिवारी समेत आदि मौजूद थे।

महपौर ने दो सड़कों का किया नामकरण,आगामी सदन में रखा जाएगा

बीपीएस न्यूज

कानपुर।शनिवार को प्रमिला सभागार में आगामी सदन के लिए प्रस्ताव पर महापौर ने सभासदों के हस्ताक्षरों सहित दो सड़कों के नामकरण किया। जिसमे चंद्रयान मिशन-3 की अभूतपूर्व सफलता पर कानपुर नगर निगम सदन बर्रा बाईपास चौराहे से जरौली तक जाने वाली सड़क का नामकरण चंद्रयान -3 मार्ग एवं चकेरी से एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग का नामकरण चंद्रयान-3 के लैडिंग स्थल शिवशक्ति के नाम पर शिवशक्ति मार्ग किये जाने का प्रस्ताव हुआ। पहली बार स्वदेशी तकनीकी से न्यूनतम बजट में इस अभियान की सफलता विश्व के लिये आश्चर्य का विषय है।चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत के चंद्रयान-3 की सफल लैंडिग तथा पूर्व निर्धारित अनुसंधानों की सफलता पर कानपुर नगर निगम का प्रत्येक नागरिक अभिभूत और गौरवान्वित है। इस हेतु प्रधानमंत्री द्वारा 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को साकार करने के लिये इसरो के सभी वैज्ञानिक बधाई के पात्र है। 23 अगस्त को प्रतिवर्ष अंतरिक्ष दिवस मनाये जाने का निर्णय सराहनीय है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधानरत वैज्ञानिकों में जहां उत्साह और नई ऊर्जा का संचार होगा, वहीं नई पीढ़ी वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में अपना करियर चुनने के लिए आकर्षित होगी।

प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम पर निकाली गई जागरुकता रैली

कानपुर। 17 यू0पी ग0बा0एन सी- सी के कमान अधिकारी कर्नल वेंकटेशन आर के आदेशानुसार स्पेशल पुनीत सागर अभियान जी-20 उत्सव के अंतर्गत एस एन सेन बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज माल रोड कानपुर नगर में प्रधानाचार्या सविता यादव के नेतृत्व में प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम पर जागरूकता रैली निकाली गई तथा प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने की शपथ ली गई । कदम कदम से प्लास्टिक हटाए आओ धरती को स्वर्ग बनाएं आदि के नारे कैडेटों ने लगाए द्वितीय ऑफिसर और कैडेटों ने आम जनमानस लोगों को इस अभियान के बारे में बताया।हमें पॉलिथीन नहीं इस्तेमाल करना है। कपड़े का थैला कागज का थैला हमेशा साथ में रखना है। कॉलेज की प्रधानाचार्या सविता यादव ने कैडेटों को उत्साहित किया।

घर खाली कराये जाने से क्षुब्ध एडवोकेट ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।एडवोकेट रुखसाना परवीन पत्नी नूर आलम निवासी चमनगंज ने कानपुर प्रेसक्लब में वार्ता करते हुए बताया कि वह अपने परिवार के साथ पुश्तैनी मकान में रहती है। आगे बताया कि उसका भाई मो0 फारुख जबरन घर ख़ाली कराना चाहता है इसलिए आए दिन गाली गलौज, मारपीट, डराने-धमकाने का काम किया करता है। इसी सिलसिले में कल रात को घर में घुसकर भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए समान कमरे से बाहर फेंकने लगा। 112 पर फोन करने पर पुलिस आई, फिर भी वह गालियां देता रहा, पुलिस ने कुछ भी नहीं कहा।चमनगंज थाने में तहरीर दिया तो फारुख को बिठा लिया और मुझे जाने को कहा। जब घर आई तो दो अन्य भाई साहिबे आलम व मुशीर आलम ने बुरी तरह मार पीट की, पति को भी बुरी तरह मारा, मेरा फोन पूरी तरह तोड़ दिया। मेरे बेटे का मोबाइल छीन ले गए। दुबारा लहूलुहान थाने गयी तो थाने वालों ने उर्सला में मेरा मेडिकल कराया। मेरे भाई अपराधी किस्म के हैं जिनसे मेरे परिवार को जान का खतरा है। प्रशासन से गुहार है कि मुझे न्याय दिलाया जाय और जान-माल की रक्षा की जाय, पूरा परिवार भयभीत है।

एनजीओ एसोसिएशन द्वारा फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन

कानपुर। कानपुर विश्वविद्यालय क्रिकेट ग्राउंड में एक क्रिकेट का फ्रेंडली मैच का आयोजन हुआ। मैच का आयोजन कानपुर एन.जी.ओ. एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया।कानपुर एनजीओ एसोसिएशन एवं कानपुर के क्रांतिकारी ग्रुप के बीच प्रात: 10 बजे शुरू हुआ।फ्रेंडली क्रिकेट मैच में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में एडवोकेट अतुल निगम एवं एडवोकेट मीनाक्षी गुप्ता ने शामिल हो कर मैच की शुरुआत की। पहले खेलते हुए एन जी ओ एसोसिएशन ने 20 ओवर में 130 रन बना कर लक्ष्य दिया।जिसको कानपुर के क्रांतिकारी टीम ने बड़े संघर्ष के साथ पूरा कर विजय हासिल की।विजयी टीम को इसरो ट्रॉफी प्रदान की गई व प्रत्येक खिलाड़ी को मोमेंटो प्रदान किया।

एन जी ओ एसोसिएशन संयोजक प्रवीण सिंह ने मैच का सफल आयोजन किया।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वाधान में 56 शिक्षकों को जिलाधिकारी ने सम्मानित किया

कानपुर।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वाधान में अटल बिहारी प्रेक्षागृह केडीए में शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यअतिथि जिलाधिकारी विशाख जी ने 56 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र,साल व माला पहनाकर सम्मानित किया। ,मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह भी उपस्थित रहें।जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा विद्या रूपी धन है जो जितना बाँटा जाए उतना ही बढ़ता है,माता पिता जीवन के प्रथम शिक्षक होते है। परिषद कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी अहम भूमिका निभाती रहती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के ज़िला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने की। संचालन मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह ने किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ए एन द्विवेदी, रणधीर सिंह, साहब सरताज,मंजूरानी कुशवाहा,अजीत सिंह, बृजेश सुवाडोर,एसएमजेड नकवी, अजय द्विवेदी,सुखेन्द्र यादव,पर वेज़ आलम,अब्दुल लयीक खाँ, योगेन्द्र सिंह,अभय मिश्रा,धर्मेंद्र अवस्थी,अनुज शुक्ला,संदीप पासवान, शैलेश,प्रशांत शुक्ला, रवि शंकर, आदि सम्मिलित रहें।

छात्रों ने बेहतर भविष्य के लिए चलाया अभियान

शिव शंकर सविता

कानपुर। बेरोजगारी के इस दौर में सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले छात्र अपने भविष्य को बेहतर बनाने में जी जान लगा दे रहे है। ऐसी ही बानगी शुक्रवार को काकादेव और उसके आसपास देखने को मिली। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित लेखपाल भर्ती का अभिलेख सत्यापन 19 सितंबर से लखनऊ में प्रस्तावित हैं।

चूकि भर्ती का विज्ञापन जारी जारी होने से लेकर अब तक लगभग तीन साल पूरे हो चुके है ऐसे में इस अभिलेख सत्यापन में उन अभ्यर्थियों को भी डीवी के लिए शार्टलिस्ट कर लिया गया है जिनका अब किसी दुसरे विभाग में चयन हो चुका है।अगर वो अभ्यर्थी भी डीवी कराते है और लेखपाल को ज्वाइन नही करते है तो इससे वो सीट रिक्त रह जाएगी। अगर पूर्व में चयनित विद्यार्थी डीवी को नही कराते है तो ऐसे में कम अंक वाले अभ्यर्थी को मौका मिल जाएगा और वो अपना जीवन बेहतर बना सकेगा।इसी सोच को मूर्त रूप देते हुए टारगेट विथ मेधावी ग्रुप के संचालक सौरभ तिवारी ने पूरे प्रदेश में डीवी स्किप अभियान को चला रहे है और छात्रों का हौसला बुलंद कर रहे है वही कानपुर में चंद्रेश सिंह के नेतृत्व में लेखपाल भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी इस अभियान में शामिल होते हुए काकादेव और आसपास कोचिंग संचालकों और छात्रों से मुलाकात कर डीवी को छोड़ने की अपील की। इसके साथ ही पोस्टर और पंपलेट चिपकाकर बाकी छात्रों से इस भर्ती प्रक्रिया के डीवी कार्यक्रम को छोड़ने का आग्रह किया।इस अभियान में मुख्य रूप से शिव शंकर , चंद्रेश सिंह, राज सिंह, अक्की यादव, हरी गुप्ता, धीरज कुमार, आदित्य सचान, दिव्यम, निखिल, जफर हुसैन, दीक्षा बाजपेई आदि प्रतियोगी छात्र मौजूद रहे।

जरीब चौकी क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनाने की तैयारी

नगर संवाददाता

कानपुर। कानपुर में आईआईटी से जरीबचौकी के बीच जीटी रोड के किनारे बनने वाले एलिवेटेड ट्रैक को लेकर पेश आ रही अड़चन अब दूर होती नजर आ रही है। जरीबचौकी क्रासिंग पर सेतु निगम ने ओवरब्रिज बनाने की मंजूरी दे दी है। इससे जरीबचौकी के पहले या बाद तक एलिवेटेड ट्रैक बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। हालांकि सेतु निगम की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बन जाने के बाद रेलवे अपने प्लान पर मंथन करेगा। कमिश्नर के आदेश के बाद सेतु निगम ने डीपीआर बनानी शुरू कर दी है। सेतु निगम की ओर से जिस पुल को हरी झंडी दी गई, वह मल्टी डायमेंशनल होगा। कालपी रोड पर दर्शनपुरवा के पास से उठेगा और जरीबचौकी चौराहा के उस पार सीसामऊ थाने के पास उतरेगा। पुल पर जीटी रोड के दोनों और रैंप बनेंगे। इससे गोल चौराहा या अफीमकोठी की ओर से आने वाले वाहन भी रैंप पर चढ़कर आ जा सकेंगे। दरअसल, कमिश्नर अमित गुप्ता, सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथलेश कुमार, प्रोजेक्ट मैनेजर विजय कुमार सेन, सहायक अभियंता एके सागर ने जरीबचौकी क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की संभावना तलाशने के लिए कालपी रोड, जरीबचौकी चौराहा, जीटी रोड, पीरोड, संगीत टॉकीज होते हुए घंटाघर की तरफ जाने वाली सड़क का निरीक्षण किया था। पीरोड संकरा होने की वजह से इस तरफ आरओबी का रैंप उतारने की संभावना नहीं दिखी।अन्य मार्गों पर रैंप उतारने की जगह उपयुक्त पाई गई।

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान कितना बदल गया इंसान

कानपुर, देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान कितना बदल गया इंसान लाला लाजपत राय चिकित्सालय का गेट नं01 को प्राचार्य के निर्देश पर रात को 8 बजे सुबह 8 बजे तक बंद कर दिया जाता है जिसके कारण जच्चा बच्चा, बाल रोग विभाग एवं इमरजेन्सी में भर्ती मरीजों के तीमारदारों को रात में दवा लेने के लिए गेट नं0 2 जाना पड़ता है जिसके लिये इन्हे बहुत असुविधा होती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञात हुआ है गेट नं0 2 के पास स्थित मेडिकल स्टोरों को लाभ देने के उद्देश्य से गेट नं0 1 रात को बंद कर दिया गया है।लाला लाजपत राय चिकित्सालय स्वरूप नगर का गेट नं0 1 रात को बंद करने का निर्णय से मरीजो और तीमारदारों को बहुत असुविधा हो रही है।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।